डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 > अंक : 04 > मूल्य: 10 रुपए > पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार पत्र | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

जयपुर, गुरुवार, 14 जुलाई, 2022

सीरत में रोशनी सूरत में उजाला भरती है।
- शालिनी श्रीवास्तव

अब गृह मंत्रालय भारत सरकार के संज्ञान में भी जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) चौड़ा रास्ता अवैध निर्माण

■ मुख्य सचिव उषा शर्मा राजस्थान सरकार से गृह मंत्रालय भारत सरकार ने माँगा जवाब अवैध निर्माण नाना जी की हवेली जयपुर कॉलेज का

■ जयपुर कॉलेज हवेली का असली मालिक कहाँ ग़ायब है?

क्या कार्यवाही करेंगी मुख्य सचिव उषा शर्मा ?

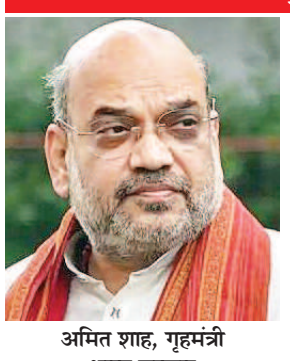

अमित शाह, गृहमंत्री
भारत सरकार

उषा शर्मा, मुख्य सचिव
राजस्थान सरकार

हिलव्यू की आवाज़ पर बरसाती लगाई गई मज़दूरों के लिए

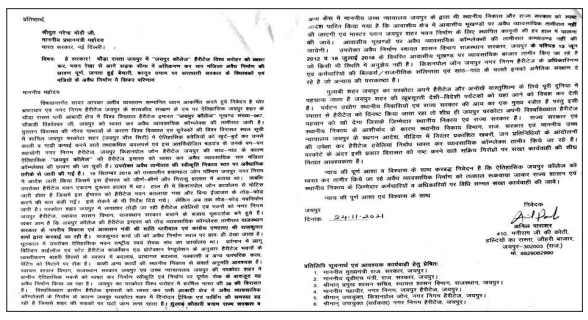

किशनपोल जोन नगर निगम हेरिटेज से पुनर्निर्माण की अनुमति नहीं, फिर भी मंजिल-दर-मंजिल अवैध निर्माण कर परवान चढ़ रही है नाना जी की हवेली

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर कॉलेज को तत्कालीन हवामहल जोन पश्चिम नगर निगम से मात्र पुनर्मरम्मत की अनुमति 18 सितम्बर 2019 को मिली लेकिन तब से लेकर अब तक लगातार 03 वर्षों से पुनः निर्माण कर इस अवैध निर्माण को अंजाम दिया जा रहा है। गौर करें कि पुनर्निर्माण नहीं पुनर्मरम्मत की मिली थी अनुमति लेकिन नाना जी की हवेली (जयपुर कॉलेज) गोपाल जी का रास्ता,चौड़ा रास्ता में अवैध निर्माण निरन्तर जारी है।

हिलव्यू समाचार ने अपने पिछले अंक में इस अवैध निर्माण की पाँचवी मंज़िल पर कड़कती दोपहरी में काम कर रहे मज़दूरों की जान-माल की रक्षा का मसीहा कौन? का मुद्दा भी उठाया था जिसके परिणामस्वरूप मज़दूरों के सर पर बरसाती टाँग दी गयी अर्थात मीडिया,समाचार पत्र या आमजन के विरोधों पर इस अतिक्रमणकारी, अवैध निर्माणकर्ताओं की नज़र तो है लेकिन शासन-प्रशासन का मज़बूत साथ लिए ये भूमाफ़िया निडर हो गए हैं। अब तो दिन दहाड़े काम चल रहा है।

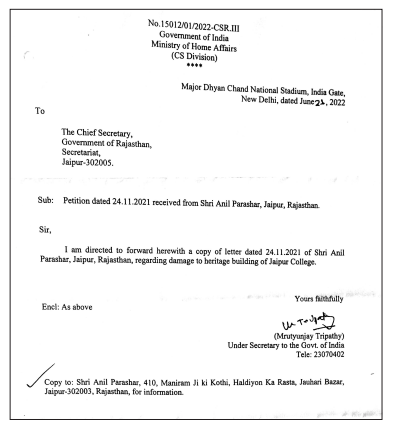

No.15012/01/2022-CSR.III
Government of India
Ministry of Home Affairs
(CS Division)

Major Dhyan Chand National Stadium, India Gate,
New Delhi, dated June 23, 2022

To

The Chief Secretary,
Government of Rajasthan,
Secretariat,
Jaipur-302005.

Sub: Petition dated 24.11.2021 received from Shri Anil Parashar, Jaipur, Rajasthan.

Sir,

I am directed to forward herewith a copy of letter dated 24.11.2021 of Shri Anil Parashar, Jaipur, Rajasthan, regarding damage to heritage building of Jaipur College.

Yours faithfully

(Mrutyunjay Tripathy)
Under Secretary to the Govt. of India
Tele: 23070402

Encl: As above

Copy to: Shri Anil Parashar, 410, Maniram Ji ki Kothi, Haldiyon Ka Rasta, Jauhari Bazar, Jaipur-302003, Rajasthan, for information.

ख़बर-बेख़बर

शालिनी श्रीवास्तव

आख़िर क्या वजह है कि अवैध निर्माण और अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हो गए हैं राजधानी में

सुखानी बिल्डर्स एवं मंगलम ग्रुप की मनमानी

सुखानी बिल्डर्स ने ऐसा क्या सुख दे दिया नगर निगम ग्रेटर के समस्त अधिकारियों व प्रतिनिधियों को कि अब तक सुखानी बिल्डर्स का अवैध निर्माण बापूनगर एसबी-56 से बन्द नहीं करवाया जा सका?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर नगर निगम के दोनों मुख्यालयों की मौन स्वीकृति और सरकार की मूक सहमति ने जैसे भूमाफ़ियाओं के लिए दरवाज़े खोल दिये हैं। शहर में लगातार अवैध निर्माण और अतिक्रमण की बाढ़ आ गई है। बिल्डिंग बायलॉज को ताक में रखकर लगातार मल्टी स्टोरी बन रहीं हैं। बिना स्वीकृति के मकान अब आलीशान फ्लैट्स में तब्दील हो रहे हैं बल्कि व्यवासायिक गतिविधियों ने आवासीय कॉलोनियों में अपने पैर पसार लिए हैं। बिना अनुमति या लायसेंस के ढाबे, रेस्टोरेंट चल रहे हैं। कहने-सुनने वाला कोई नहीं। नगर निगम ग्रेटर हो या हैरिटेज सब जगह सिर्फ़ और सिर्फ़ सन्नाटा पसरा है इन विषयों पर।

जहाँ मानसून के चलते 15 जून से 15 सितंबर तक शहर में खुदाई के कार्य पर जिला कलेक्टर की रोक है वहीं दूसरी ओर शहर की प्राइम लोकेशन पर,शहर के बीचों-बीच सुखानी बिल्डर्स एवं मंगलम ग्रुप ने 1114 वर्गमीटर ज़मीन पर 45 फिट गहरी खुदाई करवा ली। उसी से सटा हुआ मकान यानी पडौसी के घर दरारें आने पर प्लॉट न . 33 में सुशीला राजवंशी ने मालवीय नगर ज़ोन उपायुक्त से लेकर ग्रेटर निगम कमिश्नर महेंद्र सोनी तक को पत्र लिखकर शिक़ायत की। 22 जून को उपायुक्त ने नोटिस जारी कर काम बंद करने के आदेश भी दिए लेकिन महिला की समस्या का समाधान नहीं हुआ।

एसबी-56, बाबू नगर, जयपुर
मालवीय नगर जोन, एनएनजे ग्रेटर

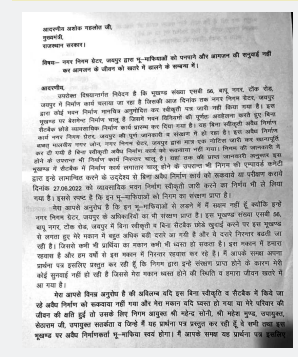

महिला द्वारा सभी विभागों को भेजी गई प्रतिलिपी।

यानी पैसा और प्रभाव एक बार निरीह आम नागरिक के हितों को मात दे गया।

महिला ने मुख्यमंत्री के संज्ञान में भी मामला ला दिया है जिसमें प्रतिलिपी निम्न सभी विभागों को भेजी गई है। जिसमें नगर निगम आयुक्त व उपायुक्त के ख़िलाफ़ शिक़ायत और अपने अधिकार के हनन का हवाला दिया गया है।

■ शासन सचिव, निदेशक, अतिरिक्त निदेशक, सहायक निदेशक सतर्कता स्वायत्त शासन विभाग जयपुर।

■ पुलिस आयुक्त,आयुक्तालय जयपुर।

■ महापौर एवं आयुक्त नगर निगम ग्रेटर जयपुर।

■ उपायुक्त एवम उपायुक्त सतर्कता मालवीय नगर ज़ोन नगर निगम ग्रेटर को भेजी गई है। क्या सुखानी बिल्डर्स एवं मंगलम ग्रुप ने सब सेट कर दिया है कि मीडिया में लगातार आवाज़ उठने के बाद भी इस अवैध निर्माण से हाथ ऊपर नहीं उठे हैं। लगातार काम जारी है?

जागरूक नागरिक RTI स्पेशलिस्ट अनिल पराशर व हिलव्यू समाचार के प्रयास में रोशनी की किरण

हिलव्यू समाचार की तरह ही शहर के एक RTI स्पेशलिस्ट अनिल पराशर लगातार जयपुर कॉलेज के अवैध निर्माण का विरोध कर रहे हैं। इन्होंने राज्य स्तर पर इस अवैध निर्माण को रोकने के भरसक किये हैं। इनके द्वारा प्रयास के बाद प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर उनके संज्ञान में सारा मामला लाया गया तत्पश्चात गृह मंत्रालय ने मुख्य सचिव राजस्थान सरकार को पत्र भेजकर इस पर संज्ञान लेकर कार्यवाही करने के आदेश दिए हैं। हिलव्यू समाचार भी लगातार आगाह कर रहा है इस ऐतिहासिक धरोहर के साथ खिलवाड़ न करने व युनेस्को की सूची प्रभावित होने की सूचना के साथ। युनेस्को से आयी टीम को भी हिलव्यू समाचार ने रिपोर्ट प्रस्तुत की है इस विषय में। गृह मंत्रालय भारत सरकार से आये संज्ञान पत्र पर देखते हैं मुख्य सचिव राजस्थान सरकार क्या कार्यवाही करतीं हैं?

जयपुर कॉलेज के अवैध निर्माण पर बुलडोज़र चलाएंगे या बुके पकड़कर उद्घाटन का फ़ीता काटेंगे अशोक गहलोत?

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री
राजस्थान सरकार

सबकुछ जानकर भी क्यों नज़रंदाज़ कर रहे हैं स्वायत्तशासन मंत्री धारीवाल?

शांति धारिवाल, स्वायत्तशासन
मंत्री राजस्थान सरकार

जयपुर कॉलेज से क्या संबध है नवलगढ़ विधायक राजकुमार शर्मा का ?

राजकुमार शर्मा, नवलगढ़
विधायक राजस्थान सरकार

जनता को इन प्रश्नों के उत्तर दे राजस्थान सरकार

- गृह मंत्रालय से मुख्य सचिव उषा शर्मा के संज्ञान में भी यह मामला आ चुका, क्या वे कार्यवाही कर सकेंगी इस अवैध निर्माण के ख़िलाफ़?
- क्या मुख्यमंत्री अशोक गहलोत यूपी मुख्यमंत्री योगी की तरह बुलडोजर चला सकेंगे जयपुर कॉलेज के अवैध निर्माण पर या फ़ीता काटकर करेंगे उद्घाटन इस अवैध भवन का?
- क्या पुनः मरम्मत की अनुमति की समय-सीमा नहीं होती कि साल-दर-साल एक अनुमति पर निरंन्तर कार्य चलता रहे?
- जयपुर कॉलेज नाना जी की हवेली का असली मालिक कहाँ नज़रबन्द है ?
- कुछ माह पूर्व चोरी छिपे सुबह तड़के चार बजे काम होता था और अब दिन दहाड़े अवैध काम हो रहा है किसकी शह पर ?
- स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल के संज्ञान में सारा मामला मीडिया, आमजन, जयपुर कॉलेज के दुकानदारों, पत्रकारों के माध्यम से आ चुका लेकिन उनका इस अवैध निर्माण को नज़रंदाज़ करना क्या प्रमाणित करता है?
- नवलगढ़ विधायक राजकुमार शर्मा का इस अवैध निर्माण के दौरान लगातार यहाँ उपस्थित रहना क्या प्रमाणित करता है?

जयपुर कॉलेज में सरकार की सहमति साफ नज़र आती है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाये तो आम जनता कहाँ गुहार लगाएगी। श्रीलंका का जो हश्र हुआ उसके पीछे आम जनता में धीरे-धीरे धधक रही आग ही थी। अब देखना ये है कि राजस्थान में जनता के दिल की आग कब धधकेगी और कब कहाँ से लपटें उठेंगी? शहर में हो रहे हज़ारों अवैध निर्माण, अतिक्रमण इस बात की गवाही देते हैं कि नीचे के स्तर से लेकर ऊपर तक सब सेट कर लिया गया है। मीडिया या जनता का कोई अस्तित्व नहीं उनके सामने।

एसएमएस के ब्रेन स्ट्रोक आईसीयू का वीडियो वायरल

वेंटीलेटर पर भर्ती मरीज पर भिनभिना रही हैं मक्खियां

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। एसएमएस अस्पताल में ब्रेन स्ट्रोक मरीजों के लिए कुछ महीने पहले तैयार हुए अत्याधुनिक आईसीयू की साफ-सफाई नहीं होने से संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। संक्रमण की वजह से

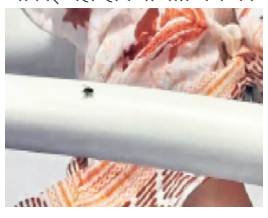

आईसीयू में वेंटीलेटर पर भर्ती मरीजों की जान पर खतरा बन गया है। ताजा मामला ब्रेन स्ट्रोक आईसीयू में भर्ती मरीजों का है। आईसीयू में मरीजों पर मक्खियां भिनभिना रही हैं। इन मक्खियों को मरीजों के परिजन इधर-उधर कर रहे हैं। वॉशबेसिन में पीक और गंदगी भरी पड़ी है। परिजनों ने पांच वीडियो वायरल किए हैं। इनमें आईसीयू में मरीजों पर मक्खियां भिनभिना रही है। सफाई के अभाव में ट्रीटमेंट एरिया से लेकर बाथरूम तक के हाल खस्ता है। अस्पताल में उच्च स्तर पर शिकायत के बाद भी साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अस्पताल की इस तरह की तस्वीरों ने वर्ल्ड क्लास चिकित्सा सेवा का दावा करने वाले एसएमएस अस्पताल की पोल खोल दी है।

सृष्टि वुमन्स क्लब, जयपुर द्वारा 'दिव्यांग जन मैराथन' एक अनूठा प्रयास

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सृष्टि दिव्यांग जन मैराथन होंसले की उड़ान का पोस्टर का विमोचन महेंद्र सुराणा पूर्व आईएएस,प्रमिला सुराणा पूर्व आईएएस समाज सेवी राधेश्याम गुप्ता और बी.एल. सोनी डायरेक्टर जनरल ऑफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के द्वारा किया गया। इस दौरान सृष्टि क्लब अध्यक्ष मधु सोनी,क्लब उपाध्यक्ष कमलेश सोनी,क्लब एडवाईजर बृजेश पवार, व क्लब ब्रांड एंकर कुलदीप गुप्ता रहे।

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

02

जयपुर, गुरुवार, 14 जुलाई, 2022

संपादकीय

शानदार विरासत छोड़ गए शिंजो एबी, घरेलू और बाहरी मोर्चे पर बदलाव के लिए उनसे पहले किसी जापानी नेता ने नहीं दिखाया ऐसा साहस

शिंजो एबी सबसे लंबे समय तक जापान के प्रधानमंत्री रहे। शुक्रवार को एक राजनीतिक रैली को संबोधित करने के दौरान प्राणघातक हमले में उनका निधन हो गया। भारत भी उनके निधन से मर्माहत है। असल में भारत-जापान संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में एबी ने अहम भूमिका निभाई। उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए ही प्रधानमंत्री मोदी ने एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया। एबी ने 28 अगस्त, 2020 को प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देते समय जापानी जनता से क्षमा मांगी थी कि वह अपने कार्यकाल का एक साल शेष रहते हुए पद छोड़ रहे हैं, जबकि अभी कई योजनाएं अमल में आने की प्रक्रिया में हैं।

इसके बाद उन्होंने स्वयं को सार्वजनिक जीवन में सीमित कर लिया। इससे पहले जापानी राजनीति में एबी की वापसी असाधारण रही। 2007 में पहली बार प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देने के बाद उन्हें दिसंबर 2012 में दुर्लभ उदाहरण के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया। फिर 2014 और 2017 में उन्हें पुन- चुना गया। इससे जापान को वह स्थिरता और स्थायित्व मिला, जिसकी उसे सख्त आवश्यकता थी।

अपने शासनकाल में एबी ने कई बड़े लक्ष्य तय किए। जैसे कि दशकों पहले उत्तर कोरिया द्वारा अगवा किए गए जापानी नागरिकों की रिहाई के लिए प्योंयोंग से वार्ता, रूस के साथ सीमा विवाद को सुलझाना और युद्ध के बाद बने संविधान में संशोधन कर सेना को अधिक शक्तियां प्रदान करना। हालांकि ऐसे बड़े लक्ष्यों की पूर्ति करने में सफलता न मिलने के बावजूद उन्हें देश का कायाकल्प करने में जरूर कामयाबी मिली और वह घरेलू और विदेशी मोर्चे पर शानदार विरासत छोड़ गए। मामूली बदलाव करने वाले देश के रूप में पहचान बना चुके जापान में एबी आरंभ से ही यथास्थितिवाद से मुक्ति पाना चाहते थे। उन्होंने 'एबीनामिक्स' की संकल्पना सामने रखी। यह अवधारणा नरम ब्याज दरों, सरकारी खर्च और ढांचागत सुधारों पर आधारित थी। इसने स्थिरता की शिकार अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान की। कम से कम आरंभ में इसका बहुत असर दिखा। कोविड महामारी से पहले एबी के दौर में ही जापानी अर्थव्यवस्था ने तेजी का सबसे लंबा दौर देखा।

शिंजो एबी ने घरेलू और बाहरी मोर्चे पर ऐसे अनेक प्रयास किए, जिन्हें करने का साहस उनके पहले किसी जापानी नेता ने नहीं दिखाया। उन्होंने विस्थापन और लैंगिक नीतियों से जुड़े मामलों में बदलाव करके जापान की सिकुड़ती श्रम शक्ति के मुद्दे का समाधान तलाशने का प्रयास किया। कामकाजी वर्ग में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए उन्होंने %वूमेनिक्स% जैसी पहल की। इसके अंतर्गत कुछ विशेष सरकारी अनुबंध किए गए, जिन्हें प्राप्त करने के लिए कंपनियों को अधिक महिला कर्मियों को भर्ती करना पड़ा। इसने रोजगार परिदृश्य पर महिलाओं की तस्वीर भले ही पूरी तरह न बदली हो, लेकिन इसने जापानी कारपोरेट सेक्टर में गहराई से समाए पूर्वाग्रहों पर आघात जरूर किया।

जापान की सुरक्षा नीति पर भी एबी की छाप उतनी ही महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने धीरे-धीरे ही सही, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर जापानी नजरिये को %सामान्य% बनाया। जापान की क्षेत्रीय और वैश्विक सामरिक भूमिका को लेकर उनका दृष्टिकोण स्पष्ट था। उन्होंने रक्षा व्यय बढ़ाया और सामरिक शक्ति के रूप में जापान के उभार को लेकर उनके मन में कोई संकोच या हिचक नहीं थी। उनकी सरकार ने संविधान की नए सिरे से व्याख्या करते हुए द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार जापानी सैन्य बलों को बाहर युद्ध करने की अनुमति का प्रविधान किया। इस अहम बदलाव ने जापान को क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर अधिक सक्रियता प्रदान की। अपने सहयोगियों के प्रति ट्रंप प्रशासन के चुनौतीपूर्ण रवैये के बावजूद एबी अमेरिका के साथ जापान के रिश्तों में संतुलन बनाए रखने में सफल रहे।

क्षेत्रीय स्तर पर बात करें तो 2007 में भारतीय संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने ही पहली बार हिंद-प्रशांत विजन का खाका सामने रखा था। यह एक ऐसा सामरिक दृष्टिकोण था, जिसके माध्यम से उनकी विदेश नीति ने भारत और आस्ट्रेलिया जैसी बड़ी क्षेत्रीय शक्तियों संग संबंध प्रगाढ़ बनाने के साथ ही दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाया।

भारतीयों के लिए एबी हमेशा खास नेता बने रहेंगे। भारत के प्रति उनका लगाव और भारत-जापान रिश्तों के लिए उनका नजरिया उनकी हिंद-प्रशांत नीति के मूल में था। पहले कार्यकाल में ही भारत का दौरा करने के बाद से उन्होंने बतौर प्रधानमंत्री तीन बार भारत का दौरा करके द्विपक्षीय संबंधों को नया क्षितिज प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी नजदीकी और समान वैश्विक दृष्टिकोण के चलते हाल के वर्षों में भारत-जापान संबंध नई ऊंचाई पर पहुंच गए। एबी के नेतृत्व में जापान ने भारत को परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता देने में अपनी हिचक तोड़ते हुए 2016 में नागरिक परमाणु समझौता किया। दोनों देश चीनी आक्रामकता से चिंतित रहे। यह पहलू भी द्विपक्षीय संबंधों को नए आयाम पर ले जाने में सहायक रहा। इससे दक्षिण एशिया में साझा विकास परियोजनाओं से लेकर 2017 में क्वाड के कायाकल्प और एशिया-अफ्रीका ग्रोथ कारिडोर जैसी परियोजनाओं पर बात आगे बढ़ पाई। पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया में भारतीय विस्तार को हमेशा जापान से समर्थन मिला। चीन के साथ सीमा विवाद में भी जापान नई दिल्ली के साथ खुलकर खड़ा रहा।

पैसे की बचत कैसे करें, यह सवाल हम सभी के मन में आता है. लेकिन हाथ में आते ही सारा पैसा रेत की तरह मुट्ठी से निकल जाता है. ज्यादातर इसकी वजह हमारी खर्चीली आदतें होती हैं, जिसे लेकर ज्यादातर लोग परेशान रहते हैं. हालांकि दुनिया भर की कई स्टडीज यह बताती हैx कि ओवरस्पेंडिंग की इस आदत से छुटकारा पाया जा सकता है.

ओवरस्पेंडिंग

ओवरस्पेंडिंग का अर्थ किसी व्यक्ति के द्वारा जरूरत से अधिक पैसा खर्च करना होता है. हालांकि इसका मतलब केवल फिजूल खर्च नहीं है, बल्कि मौजूद साधनों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल भी ओवरस्पेंडिंग में गिना जाता है. ऐसे में अगर आप अपनी क्षमता से ज्यादा कोई भी साधन या पैसे खर्च करते हैं, तो इसे आपकी ओवरस्पेंडिंग हैबिट कहा जाता है.

- केवल 30% भारतीय अपना पैसा कहीं न कहीं निवेश करते हैं.

क्या ज़रूरत से ज़्यादा खर्चीले हैं आप

कितना खर्च करते हैं भारतीय

ओवरस्पेंडिंग से जुड़ी रिसर्च से यह पता चलता है कि भारतीय किन जगहों पर कितना खर्च करते हैं.

- 30% से ज्यादा भारतीयों का मानना है कि वो छुट्टियों पर जाने का खर्च नहीं उठा पाते हैं.
- लगभग आधे भारतीय महीने भर में 500 रुपये से लेकर 2,500 रुपये अपने कपड़े पर खर्च करते हैं.
- 15 लाख या उससे ज्यादा आय वाले 75% भारतीय कपड़ों पर हर माह 1,500 रुपये से ज्यादा खर्च करते हैं.
- 16% भारतीय पुरुषों की तुलना में 21% महिलाएं जूतों पर खर्च करती हैं.
- मध्य भारत के हर 3 में से 1 भारतीय यह मानता है कि वो बाहर का खाना बर्दाश्त नहीं कर सकता है, वहीं पश्चिम भारत में 10 में 1 लोग ही ऐसा मानते हैं.
- 70% भारतीय ऑनलाइन खरीदारी करते समय 1,999 से कम खर्च करते हैं.
- उत्तर भारत में लोग सबसे अधिक ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं. साथ ही विवाहित लोगों से ज्यादा अविवाहित लोग ऑनलाइन खरीदारी पर खर्च करते हैं.

पैसे बचाने में कमजोर हैं इंडियन

- रिसर्च के अनुसार 57% लोग अपने बचत खाते या आपातकालीन समस्याओं के लिए 5,000 से कम रखते हैं.
- विवाहित भारतीय अविवाहित भारतीयों के अपेक्षा ज्यादा पैसों की बचत करते हैं.
- 3 में से 1 अधिक भारतीय अपनी तनख्वाह के सहारे गुजारा करते हैं.
- 80% अविवाहित भारतीय अपनी मासिक आय का 10% भी नहीं बचा पाते हैं.

ये चीजें देती हैं बढ़ावा

ऐसी कई चीजें हैं जो ओवरस्पेंडिंग को बढ़ावा दे रही हैं. इनमें मीडिया विज्ञापन व सोशल मीडिया इस प्रेशर को बढ़ावा देते हैं. ऐसे में जो लोग खरीदारी को लेकर कंफ्यूज रहते हैं, उनके लिए बेकाबू खर्च को कंट्रोल करना और भी ज्यादा मुश्किल हो जाता है. कंफ्यूज लोग अक्सर एड और प्रमोशन इमेज देखकर ही चीजों से आकर्षित हो जाते हैं, जिस वजह से ये बिना सोचे-समझे कुछ भी खरीद लेते हैं.

कैसे करें कंट्रोल

करें कैश पेमेंट- कार्ड या ऑनलाइन पेमेंट करने पर हमें खर्च का एहसास नहीं होता है. इस वजह से लोग फिजूल खर्च कर देते हैं.

हिसाब रखें- अपने खर्च को एक्सल शीट या डायरी में मेंशन करें. इससे आपको पता चलेगा कि आपने कहां पर कितने पैसे खर्च किए हैं.

बनाएं बजट- शॉपिंग पर जाने से पहले हमेशा अपना बजट बना लें. इससे यह तय हो जाएगा कि आखिर आपको कितना सामान खरीदना है. इससे आप खर्च की लिमिट तय कर पाएंगे.

सेविंग गोल्स

-पैसे बचाने के लिए हर महीने एक गोल सेट करना चाहिए, जिससे आप फिजूल खर्च से बच सकें.

व्यवहार पर दीजिए ध्यान बच्चा बनेगा अच्छा इंसान

हर बच्चा स्वभाव में अलग होता है, इसलिए बच्चे के स्वभाव को देखते हुए पैरेंट्स को उसे हैंडल करना होता है. बच्चे बेहद कोमल व चिकनी मिट्टी के समान होते हैं, इसलिए बच्चों को शुरू से ही अच्छी आदतें, व्यवहार और शिष्टाचार सिखाना बेहद आवश्यक होता है. जब आप किसी भी बच्चे के भीतर बचपन से ही अच्छी आदतों का समावेश करते हैं तो इससे आगे चलकर वह एक बेहतर जीवन जी पाता है. कई बार यह देखने में आता है कि पैरेंट्स बच्चों की गलतियों को यह सोचकर नजरअंदाज कर देते हैं कि वह अभी छोटे व नासमझ हैं. ऐसे में उनके व्यवहार में लगातार बदलाव आता चला जाता है और बाद में, उनके व्यवहार को इंप्रूव करना काफी मुश्किल हो जाता है. हर माता-पिता की जान अपने बच्चों में बसती है और वह अपने बच्चे को दुनिया के सबसे अच्छे इंसान के रूप में देखना चाहते हैं. हालांकि, इसके लिए उन्हें बचपन से ही बच्चे के व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए.

बनें रोल मॉडल

यह सबसे पहला व जरूरी स्टेप है. आप ही अपने बच्चे की दुनिया हैं, इसलिए अपने बच्चों के लिए रोल मॉडल बनें. आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे जो चीजें देखते हैं, उसे तेजी से सीखते हैं और उसे अपने व्यवहार में शामिल करते हैं. इसलिए जिस तरह से आप व्यवहार करते हैं, बात करते हैं, बोलते हैं और अपने बच्चों के सामने प्रतिक्रिया करते हैं, उसका विशेष रूप से ध्यान रखें.

जरूर करें सराहना

बच्चों को छोटी-छोटी तारीफें सुनना बेहद अच्छा लगता है. यह उनके लिए एक मोटिवेशन की तरह काम करता है. इसलिए अच्छे व्यवहार के लिए अपने बच्चे की सराहना करें. आप उसकी तारीफ करें. यह बच्चों में अच्छी आदतों और व्यवहार का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करने का एक तरीका है.

सुनें उनकी बात

अगर आप बच्चे के व्यवहार को बेहतर बनाना चाहते हैं तो उनकी बात सुनने की भी आदत डालें. आमतौर पर, बच्चे तब आक्रामक हो जाते हैं, जब उन्हें ऐसा लगता है कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है. इसके अलावा, आप उनके मन में यह भरोसा भी अवश्य पैदा करें कि वह अपनी किसी भी बात को आपके साथ शेयर कर सकते हैं. जब बच्चों के मन में यह भरोसा होता है तो वह कहीं पर भी गलत व्यवहार करने से बच जाते हैं.

सिखाएं अच्छे-बुरे में अंतर

हम जिस संगत में रहते हैं, उसका असर जरूर होता है. ऐसा ही कुछ बच्चों के साथ भी होता है. इसलिए बच्चे के व्यवहार को बेहतर बनाने के लिए उसे बुरी संगत से दूर रखना बहुत जरूरी है. लेकिन आप हर वक्त उनके साथ नहीं रह सकते, इसलिए उन्हें अच्छे और बुरे में फर्क करना सिखाएं. जब बच्चे को इस अंतर का पता होता है तो इससे वह खुद को खराब वातावरण से बचा सकते हैं.

दें छोटी-छोटी जिम्मेदारी

जब बच्चा खुद को अधिक जिम्मेदार महसूस करता है, तो इससे उसका व्यवहार खुद-ब-खुद सुधरता जाता है. आप उनके मन में जिम्मेदारी की भावना जागृत करने के लिए उन्हें छोटे कार्य दें और पूरा होने पर उनकी सराहना अवश्य करें, ताकि उन्हें लगातार मोटिवेशन मिलता रहे. यह एक आसान तरीका है बच्चे को अधिक जिम्मेदार बनाने व उसके व्यवहार को बेहतर बनाने का.

जब बुक कर रहे हों ट्रिप के लिए 'जॉस्टेल' बुक

अक्सर किसी जगह घूमने के लिए हम और आप निकलते हैं तो ये जरूर सोचते हैं कि रुकने के लिए किस होटल या रिजॉर्ट में रूम बुक करना चाहिए. कई लोग किसी पर्यटन स्थल पर रुकने के लिए लॉज में भी रूम बुक करते हैं. लेकिन आजकल कई लोग किसी भी हिल स्टेशन या समुद्री जगह पर रुकने के लिए जॉस्टेल में रूम बुक करना पसंद करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि जॉस्टेल में बहुत कम पैसे में रूम बुक हो जाते हैं. ऐसे में अगर आप भी किसी भी हिल स्टेशन या समुद्री जगहों पर रुकने के लिए जॉस्टेल में रूम बुक कर रहे हैं तो कुछ बातों पर खास ध्यान देने की जरूरत है.

रूम शेयर करना पड़ सकता है

भले किसी होटल में रूम बुक करते समय बेड शेयर न करना पड़े, लेकिन जॉस्टेल में रूम जरूर शेयर करना पड़ सकता है. कई बार ऐसा होता है कि जॉस्टेल के एक कमरे में 3-4 बेड लगे होते हैं. ऐसे में अगर आप रूम शेयर करने के लिए तैयार हैं तो आप रूम बुक करते हैं. कई बार जॉस्टेल की तरफ से भी इसकी जानकारी दे दी जाती है. हालांकि, सिंगल रूम भी आप आसानी से बुक कर सकते हैं. यहां आपको वॉशरूम भी शेयर करना पड़ता है. ऐसे में अगर आप बाथरूम किसी अन्य इंसान के साथ शेयर करना चाहते हैं तभी आप रूम बुक करें. कई बार यह जानकारी सैलानी से मांगी जाती है या फिर खुद जॉस्टेल भी देता है.

सुरक्षा का रखें ध्यान

जब एक साथ एक कमरे में आपस में अनजान 3 से 4 लोग रहते हैं तो सामान की देखभाल करना बहुत जरूरी हो जाता है. ऐसे में जब आप जॉस्टेल में रूम बुक करें तो लॉकर का ध्यान जरूर रखें. कई बार कमरे में लॉकर नहीं रहता है. ऐसे में अपने जरूरी सामान को रखने के लिए आप जॉस्टेल के अधिकारी से लॉकर की मांग कर सकते हैं. इसके अलावा सुरक्षा से संबंधित कुछ अन्य बातों पर भी ध्यान देने की जरूरत है जैसे, रूम का ताला-चाबी संभाल कर रखें. कमरे के आसपास सीसीटीवी लगा हुआ • होना चाहिए. रूम में रहने वाले अन्य सदस्यों के बारे में पूरी जानकारी रखना भी बहुत जरूरी है.

साफ-सफाई

किसी भी होटल, गेस्ट हाउस या रिजॉर्ट बुक करते समय साफ-सफाई का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है. देख लें कि कमरा पहले से फ्रेश है या नहीं. खासकर, जब एक रूम में 3-4 लोग रहते हैं तो रूम काफी जल्दी गंदा हो जाता है. ऐसे में आप जब जॉस्टेल बुक करें तो वहां सफाई का खास ख्याल रखें.

ऐसी हो ऑफिस में बेल्ट

आजकल कई तरह की बेल्ट पसंद की जा रही है. लेकिन जब बात ऑफिस में बेल्ट पहनने की होती है, तो यह बेहद जरूरी हो जाता है कि आप उसके साइज पर अतिरिक्त ध्यान दें. ऑफिस में एक एलीगेंट लुक पाने के लिए आप थिन बेल्ट को प्राथमिकता दें. आप चाहें तो मीडियम साइज बेल्ट को भी अपनी स्टाइलिंग का हिस्सा बना सकती हैं.

- ऑफिस के लिए ब्लैक व ब्राउन बेल्ट को पहनना सबसे अच्छा माना जाता है. अगर आपने व्हाइट आउटफिट पहना है तो आप व्हाइट बेल्ट को स्टाइल करने पर भी विचार कर सकती हैं. ध्यान रखें कि आपको बेल्ट से अपने स्टाइल को एन्हांस करना है, उसे अलग से हाइलाइट नहीं करना है.
- ऑफिस में डिफरेंट डिजाइन वाली फैन्सी बकल बेल्ट को नहीं पहनना चाहिए. यह आपके लुक को अनप्रोफेशनल बनाती है. बेहतर होगा कि आप सिंपल बकल को ही अपने ऑफिस लुक का हिस्सा बनाएं.

देश में एजुकेशन सिस्टम वैदिक काल से चला आ रहा है जब गुरुकुल या पाठशालाएं, गुरुजनों की उपस्थिति में प्राकृतिक वातावरण में हुआ करती थीं. घर-परिवार और दुनियादारी से दूर बच्चे गुरुजनों के मार्गदर्शन में इन राष्ट्रीय स्तर के गुरुकुलों में लंबा समय बिताकर विद्या अर्जित किया करते थे.

देश में सबके लिए समान शिक्षा, समय के पन्नों में कहीं दबकर रह गई है. लेकिन भारत सरकार और संस्थान, मौजूदा शिक्षा मॉडल में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं. फिर भी कई मुद्दे ऐसे हैं, जिनसे हम अब भी जूझ रहे हैं. यदि विश्वस्तरीय स्पर्धा में विजेता बनना है तो देश में समान शिक्षा की जरूरत समय की मांग है. अब समय आ गया है कि देश में एजुकेशन को उस उच्च स्तर पर ले जाने की जरूरत है, जिसके दम पर हमारे युवा विश्व में बढ़ते कॉम्पिटिशन का हिस्सा बन सकें और भारत को भी इस दौड़ में शामिल कर विजयी बना सकें.

वर्तमान में विभिन्न एजुकेशन बोर्ड के पाठ्यक्रमों में विविधता भी सिस्टम में एक बड़ी समस्या बन खड़ी हुई है. भारतीय एजुकेशन सिस्टम में स्कूल्स विभिन्न बोर्ड्स से एफिलिएट होते हैं, जो स्टूडेंट्स की संभावनाओं में फेरबदल करते हैं. असमान पाठ्यक्रम और विषय स्टूडेंट्स के सामने कई बार विराम बनकर खड़े हो जाते हैं, खासकर जब वे राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं जैसे- कैट, गेट, जेईई, नीट आदि में भाग लेते हैं. पाठ्यक्रम के लिए एक सामान्य रेग्युलेटरी फ्रेमवर्क स्थापित करने की जरूरत है, जिसका पालन

देश में समान शिक्षा की जरूरत

वैश्विक कॉम्पिटिशन में विजेता बनकर उभरेगा भारत

प्रत्येक एजुकेशन बोर्ड द्वारा किया जाना चाहिए ताकि स्टूडेंट्स को समान अवसर और लर्निंग एक्सपीरियंस प्राप्त करने में मदद मिल सके. शिक्षा विशेषज्ञ अतुल मलिकराम के अनुसार, अब भी कुछ पुरानी आदतों को अपनी जगह से हिला नहीं पाए हैं, रटकर सीखना उनमें से एक है. इसका सबब यह है कि स्टूडेंट उस पाठ विशेष को याद तो रख लेता है, लेकिन उसके पीछे के आधार से कोसों दूर हो जाता है. इसलिए, स्कूल्स और कॉलेजों द्वारा वैचारिक शिक्षा या कॉन्सेप्चुअल लर्निंग को बढ़ावा देने की जरूरत है ताकि स्टूडेंट्स संबंधित कॉन्सेप्ट्स को ठीक प्रकार समझ सकें और व्यावहारिक दुनिया में उनका बेहतरी से उपयोग कर सकें. वहीं, इन्हें लर्निंग एक्सपीरियंस के दायरे को सीमित करने से स्टूडेंट्स की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है. इसलिए, स्टूडेंट्स को बचपन से ही विभिन्न विषयों और वोकेशनल ट्रेनिंग से परिचित कराया जाना चाहिए. इससे उन्हें अपनी क्षमता की पहचान करने और उन्हें बेहतर तरीके से विकसित करने में मदद मिलेगी.

प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी

साथ ही एडवाइजरी बोर्ड् को प्राइवेट कंपनीज और इंस्टिट्यूशंस की भागीदारी पर विचार करना चाहिए. स्कूली शिक्षा की पहुंच बढ़ाने और लर्निंग आउटकम्स में सुधार करने में सहायता के लिए प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी मायने रखती है. यह आगे चलकर इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति सुधारने और पर्याप्त क्षमता की कमी वाले सरकारी इंस्टिट्यूट्स का बेहतरीन पूरक बन सकती है. भारत में एजुकेशन की भारी मांग है और इसकी आपूर्ति करने के लिए प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा देना समय की मांग है.

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

जयपुर, गुरुवार, 14 जुलाई, 2022

'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' का शुभारम्भ

सीएम ने स्कूली विद्यार्थियों के लिए लॉन्च किया ब्रिज कोर्स

■ कोरोना के कारण गत सत्रों में हुए लर्निंग लॉस की होगी भरपाई ■ शिक्षा व स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता ■ सरकार शिक्षकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्चुअल माध्यम से 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' कार्यक्रम लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण हुए लर्निंग लॉस को पूरा करने के लिए शिक्षा सत्र 2022-23 में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए रेमेडिएशन कार्यक्रम 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' शुरू किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत आयोजित ब्रिज कोर्स में विद्यार्थियों को दक्षता आधारित, आसान व आनन्दपूर्ण शिक्षण विधि से अध्ययन करवाया जाएगा। साथ ही उन्होंने शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों, अभिभावकों व बच्चों के लिए 'फील्ड़ ओरिएन्टेशन' कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान आज शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अद्भुत नवाचारों से देश में मॉडल स्टेट के रूप में पहचान बना रहा है। महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम विद्यालयों का गठन और दक्षता आधारित शिक्षण का विजन दूसरे राज्यों के लिए अनुकरणीय बन रहा है। पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान में न केवल शिक्षा के आधारभूत ढांचे का विकास हुआ है बल्कि अकादमिक प्रगति भी हुईहै। कोविड़ के चलते शिक्षण स्थगित रहने के बावजूद हमारे विद्यार्थियों को पढ़ाई का नुकसान ना हो इसके लिए निरंतर प्रयास किए गये हैं। इसी क्रम में कोविड के कारण हुई नौनिहालों की शैक्षिक क्षति की भरपाई के लिए वर्ष 2022-23 के बजट में 75 करोड़ के वित्तीय प्रावधान से 'ब्रिज कार्यक्रम' की घोषणा की थी।

कोरोना काल में डिजिटल लर्निंग का बढ़ा महत्व

गहलोत ने कहा कि डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सभी राजकीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में स्मार्ट टी.वी., सेटटप बक्स और इंटरनेट सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में शिक्षण में आई बाधा के समय विद्यार्थियों की बुनियादी दक्षताओं को ध्यान में रखकर 'आओ घर में सीखें-2.0' के तहत घर पर रहकर विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा टीवी व रेडियो आदि के माध्यम से शैक्षिक गतिविधियां जारी रखी गई। इनमें स्माइल-3.0, ई-कक्षा, शिक्षा-दर्शन, शिक्षा-वाणी एवं हवामहल आदि के तहत कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को डिजिटल अध्ययन सामग्री के साथ ही गृहकार्य दिया गया तथा अध्ययन की निरंतरता को बनाये रखा गया।

सरकार शिक्षकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है तथा उनके अशैक्षिक दायित्वों को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे ब्रिज कोर्स का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन कर सकें। शिक्षा व स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता है। इन दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य होने पर ही देश में गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन का विकास हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगला बजट राज्य के युवाओं व विद्यार्थियों को समर्पित होगा। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह निर्णय मानवीय दृष्टिकोण से लिया गया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार को देश भर में ओ.पी.एस. लागू करने के लिए सकारात्मक रूप से विचार करना चाहिए।

ब्रिज कोर्स से 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम': 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' कार्यक्रम के तहत ब्रिज कोर्स में रटने की बजाए सीखने पर बल दिया जाएगा। ब्रिज कोर्स में कक्षा 1 से 8 के लिए प्रथम तीन माह में 4 कालांश तथा शेष सम्पूर्ण सत्र में 2 कालांश निर्धारित रहेंगे। योजनान्तर्गत 75 लाख से अधिक विद्यार्थियों के लिए दक्षता आधारित कार्यपुस्तिकाएं तैयार की जाएगी तथा वर्ष में 3 बार दक्षता का आकलन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत नियमित शिक्षक-अभिभावक बैठकों के साथ विद्यार्थियों के दक्षता आधारित होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड बनाए जाएंगे। इस कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शिक्षकों की क्षमता संवर्द्धन के कार्यक्रम संचालित होंगे तथा कक्षा 3 से 8 तक के सभी शिक्षकों के लिए टीचिंगड एप की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

गहलोत ने कहा कि कोरोना काल में छोटे बच्चों की शिक्षा सबसे अधिक प्रभावित हुई है। सरकार द्वारा शिक्षा जारी रखने के लिए किए गए डिजिटल नवाचारों के बावजूद दूर-दराज के क्षेत्रों के बच्चे शिक्षा से जुड़ नहीं पा रहे थे। ब्रिज कोर्स का मुख्य उद्देश्य इन बच्चों का शैक्षणिक स्तर वर्तमान कक्षा के अनुरूप लाना है। इससे उन्हें भविष्य में तकलीफ नहीं आएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' कार्यक्रम का पोस्टर व लोगो भी जारी किया।

1206 महात्मा गांधी राजकीय (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय खोले गए: मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजी भाषा में दक्षता विकसित करने तथा गरीब विद्यार्थियों तक अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2019 से 'फ्लैगशिप योजना' के रूप में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) प्रारम्भ किए गए। आमजन के रूझान को देखते हुए राज्य में अब तक कुल 1206 महात्मा गांधी राजकीय (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय खोले जा चुके हैं। कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थी इन अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में पढ़कर प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

4441 माध्यमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक स्तर में किया क्रमोन्नत: गहलोत ने कहा कि जहां विद्यालय नहीं थे, उन ग्राम पंचायतों में 40 नये प्राथमिक विद्यालय खोले गए हैं। सभी 3832 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक विद्यालयों में तथा 397 बालिका माध्यमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक स्कूलों में अपग्रेड किया गया। राज्य में 162 नये राजकीय प्राथमिक विद्यालय खोलने के साथ ही 1177 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों को उच्च प्राथमिक विद्यालयों में क्रमोन्नत किया गया है। इसी तरह 1127 उच्च प्राथमिक विद्यालयों को माध्यमिक स्तर, 4441 माध्यमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक स्तर में क्रमोन्नत किया गया है। 446 उच्च प्राथमिक विद्यालयों को सीधे ही उच्च माध्यमिक विद्यालय स्तर तक क्रमोन्नत किया गया है।

लॉन्च कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 77239 शिक्षकों की भर्ती की जा चुकी है तथा 1 लाख से अधिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रियाधीन है। इन्सपायर अवार्ड तथा फिट इण्डिया मूवमेंट में राज्य देश में प्रथम स्थान पर रहा है।

शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती जाहिदा खान ने कहा कि बालिका शिक्षा के क्षेत्र में राज्य लगातार आगे बढ़ रहा है। ड्रॉपआउट बालिकाओं को शिक्षा से दुबारा जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है तथा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

आवासान आयुक्त पवन अरोड़ा ने रचा अन्तर्राष्ट्रीय कीर्तिमान

बुधवार नीलामी उत्सव तथा ई-बिड सबमिशन के माध्यम से मात्र ढाई वर्ष में 13 हजार 583 सम्पत्तियां बेचकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने दी मान्यता

आवासन आयुक्त अरोड़ा को सौंपा कन्फर्मेशन लैटर

अब तक 4 कीर्तिमानों को मिली जगह

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल ने बुधवार नीलामी उत्सव एवं ई-बिड सबमिशन के माध्यम से करीब ढाई साल के कम समय में ही 13 हजार 583 आवासीय और व्यावसायिक सम्पत्तियां बेचकर अन्तर्राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया है। इसके साथ ही मण्डल द्वारा विकसित मानसरोवर और प्रताप नगर चौपाटी में नवम्बर, 2021 से मार्च, 2022 तक 6 लाख 10 हजार 670 लोगों के प्रवेश (फुट-फॉल) को भी अन्तर्राष्ट्रीय कीर्तिमान के रूप में जगह मिली है।

आवासन आयुक्त ने बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल की इन दो उपलब्धियों को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने विश्व कीर्तिमान के रूप में शुमार किया है। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने नवम्बर, 2019 से 31 मार्च, 2022 के बीच ई-ऑक्शन एवं ई-बिड सबमिशन के माध्यम से इन सम्पत्तियों के विक्रय तथा मानसरोवर और प्रताप नगर चौपाटी के प्रति लोगों के इस बढते आकर्षण को मान्यता दी है। इस सम्बंध में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन के प्रतिनिधि प्रथम भल्ला ने मंगलवार को रिकॉर्ड का कन्फर्मेशन लैटर आवासन आयुक्त को सौंपा। आवासन आयुक्त ने बताया कि वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन की ओर से आवासन मण्डल को जल्द ही इस संबंध में विश्व कीर्तिमान का प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व वर्ष 2020 में बुधवार नीलामी उत्सव के तहत मात्र 12 दिन में 185 करोड़ रूपये मूल्य की 1213 सम्पत्तियों के विक्रय तथा वर्ष 2019 में मात्र 35 कार्यदिवसों में 1010 मकान बेचने की उपलब्धि को भी वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स् लंदन ने कीर्तिमान के रूप में स्थान दिया था।

पहली बार सरकारी अस्पताल में सुविधा, 12.41 करोड़ खर्च

जयपुरिया में स्मार्ट पार्किंग; एक साथ 600 वाहन पार्क हो सकेंगे, सेंसर से आग बुझेगी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजधानी में पहली बार किसी सरकारी अस्पताल में स्मार्ट पार्किंग बनाई गई है। जयपुरिया में 12.41 करोड़ से 1150 स्क्वायर फीट में बनाई गई पार्किंग में एक साथ 600 वाहन (160 कार और 435 दो पहिया) खड़े हो सकेंगे। एंट्री करते ही डिस्प्ले बोर्ड से पता चल जाएगा कि पार्किंग के लिए जगह है या नहीं? साथ ही, आग लगने पर ऑटोमेटिक सेंसर आग पर काबू पा लेगा। पार्किंग स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में बनाई गई है। निगम ने पार्किंग बीओटी (बिल्ड ऑपरेट ट्रांसफर) मॉडल के तहत तैयार की है। जल्द ही इसे लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। ग्राउंड फ्लोर पर मेडिकल दुकानें भी बनाई जाएंगी।

1 लाख ली. का टैंक, स्प्रिंकलर से आग बुझाई जा सकेगी: आग लगने पर स्प्रिंकलर से बुझाई जाएगी। इसमें जगह-जगह सेंसर लगाए गए हैं। पार्किंग की छत पर 1 लाख लीटर पानी का टैंक है। जैसे ही पार्किंग में आग या धुंआ उठता है तो ये सेंसर एक्टिव हो जाएंगे। सायरन बजना शुरू हो जाएगा। दूसरी ओर, पार्किंग शुरू होने से सड़कों पर जाम नहीं लगेगा। शुरूआत में पार्किंग 25 साल के लिए दी जाएगी।

गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान को दिया राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार

मंत्री प्रमोद भाया ने लिया सेकेंड प्राइज, 3 करोड़ 60 लाख रुपए मिले

हिलव्यू समाचार

जयपुर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हाथों राजस्थान को माइनर और मेजर मिनरल में राष्ट्रीय खनिज विकास पुरस्कार से नवाजा गया है। प्रदेश को पहली बार माइनिंग के क्षेत्र में नेशनल लेवल पर पुरस्कृत किया गया है। नई दिल्ली के डॉ अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में हुए अवॉर्ड समारोह में राजस्थान के खान मंत्री प्रमोद जैन भाया ने विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेट्री डॉ. सुबोध अग्रवाल और डायरेक्टर केबी पण्ड्या के साथ यह पुरस्कार लिया। माइनर मिनरल में राजस्थान को सेकेंड प्राइज के तौर पर 2 करोड़ रुपए नकद, प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी मिली है। जबकि 8 मेजर मिनरल ब्लॉक की सफल नीलामी पर 20-20 लाख की कुल 1.60 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि मिली है। केन्द्रीय माइंस, कोयला और संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी, माइंस, कोयला और रेलवे राज्य मंत्री राव साहेब पाटिल दानवे भी इस दौरान मौजूद रहे।

माइनिंग में पहली बार राष्ट्रीय लेवल पर पुरस्कार: प्रदेश के खान मंत्री प्रमोद जैन भाया ने बताया कि राजस्थान के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। माइनिंग क्षेत्र में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान को पुरस्कृत किया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की गाइडेंस में प्रदेश में खनिजों की खोज और माइनिंग के साथ ही रेवेन्यु कलेक्शन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। राजस्थान को माइनर मिनरल- माइका, ग्रेनाइट और मार्बल ब्लॉक्स के प्लॉट तैयार कर सफल नीलामी के लिए दूसरा पुरस्कार दिया गया है। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के 3 महीने की उपलब्धियों की भी सराहना करते हुए पुरस्कार के साथ ही प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। भाया ने कहा- राज्य में पिछले 3 सालों में नए क्षेत्रों में खनिज भण्डारों की खोज, खनिज माइनिंग वर्क में तेजी आई हैं।

ट्रांसफर 15 जुलाई के बाद

पहले प्रिंसिपल व लेक्चरर के ट्रांसफर होंगे, ग्रेड थर्ड के लास्ट में, मंत्री लेवल पर तैयार हो रही लिस्ट

हिलव्यू समाचार

बीकानेर। वैसे तो शिक्षा विभाग में ट्रांसफर की इक्का-दुक्का लिस्ट आई है लेकिन जंबो लिस्ट आने का सिलसिला अभी पंद्रह जुलाई के बाद ही शुरू होगा। इसके लिए एक-एक नाम शिक्षा निदेशालय से मंत्री तक पहुंच रहा है, जहां से हरी झंडी मिलने के बाद ही आदेश होंगे। तबादलों में मंत्री के साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय में भी काम चल रहा है। दोनों जगह से लिस्ट फाइनल होने के बाद वापस सक्षम अधिकारी के पास जाएगी, जहां से हस्ताक्षर के बाद जारी होगी। दरअसल, शिक्षा विभाग को जुलाई से पहले ही ट्रांसफर करने थे, ताकि सेशन शुरू होने के साथ ही पढ़ाई हो सके। इस बीच पहले उदयपुर में चिंतन शिविर और राज्यसभा चुनाव के कारण विलंब होता चला गया। अब लिस्ट बनाने का काम शुरू हो चुका है। प्रिंसिपल और लेक्चरर की लिस्ट शिक्षा मंत्री स्तर पर तैयार हो रही है। इन लिस्ट्स में प्रिंसिपल और लेक्चरर के नाम के साथ ही उस नेता, अधिकारी या प्रभावशाली का नाम भी है, जिसने ट्रांसफर करवाने के लिए सिफारिश की है। ये लिस्ट सार्वजनिक नहीं होगी लेकिन इसी आधार पर बनने वाली एक लिस्ट शिक्षा मंत्री कार्यालय से मुख्यमंत्री कार्यालय भी जा रही है। जहां से हरी झंडी मिलने के बाद इन लिस्ट्स को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

ग्रेड थर्ड के ट्रांसफर लास्ट में: माना जा रहा है कि राज्यभर में ग्रेड थर्ड के ट्रांसफर लास्ट में होंगे। इन टीचर्स की ट्रांसफर लिस्ट जारी होने के साथ ही तबादलों पर फिर से रोक लग जाएगी। विभाग का प्रयास है कि अंतिम दिन ट्रांसफर करेंगे ताकि बार बार संशोधन के लिए टीचर्स परेशान नहीं करें।

ये रहेगा ट्रांसफर रूट

टीचर्स ट्रांसफर की प्राथमिक लिस्ट शिक्षा निदेशालय, शिक्षा संकुल स्तर पर तैयार होकर शिक्षा मंत्री तक पहुंच रही है। वहां से इनमें संशोधन होने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय भेजी जा रही है। जहां काफी फेरबदल होता है। इसी लिस्ट को वापस शिक्षा मंत्री को भेजा जाता है, जहां से संबंधित अधिकारी को भेजकर जारी करवाया जाता है।

जितना प्रभाव, उतना नजदीक स्कूल: हर बार की तरह इस बार भी शिक्षा विभाग में प्रभावशाली नेताओं का बोलबाला है। जो जितना ज्यादा प्रभावशाली है, सिफारिश दमदार है, उसे उतनी ही नजदीक स्कूल मिलने वाली है। तबादलों में पहली प्राथमिकता मंत्रियों को मिल रही है। मंत्रियों ने अपने क्षेत्र की जो सिफारिश की है, उनके तबादले किए जाएंगे। इसके बाद कांग्रेस विधायकों की सिफारिश मानी जा रही है। अगर कहीं कांग्रेस विधायक नहीं है तो कांग्रेस प्रत्याशी को भी मौका मिल रहा है।

आला अधिकारी भी कर रहे सिफारिश

शिक्षा विभाग में ट्रांसफर की सिफारिशें केवल नेता और मंत्री ही नहीं कर रहे, बल्कि कई आला अधिकारी भी अपने चाहने वालों के लिए सिफारिश करते हैं। लिस्ट में बकायदा इन अधिकारियों का जिक्र तक होता है। सचिवालय से लेकर हर विभाग के आला अधिकारी किसी न किसी टीचर की सिफारिश करते हैं।

भाजपा का आतंकवाद से नाता है, यह रिश्ता क्या कहलाता है : गोहिल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। उदयपुर में कन्हैया लाल की बर्बर हत्या का मामला पूरे देश में छा रहा है। मगर हत्या के मुख्य आरोपी की नेता प्रतिपक्ष नेता गुलाबचंद कटारिया के साथ फोटो वायरल होने के बाद कांग्रेस ने भाजपा को घेरा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और दिल्ली के प्रभारी सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने शनिवार को कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सवाल किया कि आखिर भाजपा का आतंकवाद से नाता है यह रिश्ता क्या कहलाता है ? उन्होंने कहा कि भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी आतंकवाद पर राजनीति नहीं की है। हमने देशहित को सर्वोपरि रखा, लेकिन भाजपा वोटबैंक की पॉलिटिक्स करती है। भाजपा के तार आतंकवादियों से जुड़े हैं। जब भी केंद्र सरकार फेल होने लगती है, तब इस तरह की घटनाएं होती है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोहिल ने कहा कि उदयपुर घटना का मुख्य आरोपी भाजपा का कार्यकर्ता है। नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया के साथ उनकी फोटो सामने आई है। मगर वो कहते हैं फ़ोटो गलत है।

पायलट बोले...मैं तो सिर झुकाकर काम कर रहा हूँ: कहा....

मेरा लक्ष्य 2023 विधानसभा चुनाव में सरकार को रिपीट कराना है

हिलव्यू समाचार

जयपुर/नई दिल्ली। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा- पिछले 25 साल में हम राजस्थान में सरकार रिपीट नहीं कर पाए हैं। पिछले 25 साल में जब भी कांग्रेस की सरकार बनाई है, हम अगली बार BJP से बहुत बुरी तरह हारे हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद हम राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रिपीट नहीं करवा पाए हैं, यह निश्चित रूप से चिंता का विषय है। मेरा लक्ष्य शुरू से ही 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार को रिपीट करने का रहा है।

दिल्ली में एक इंटरव्यू में पायलट ने कहा- ऐसा कोई कारण नहीं है कि हम राजस्थान में सरकार रिपीट नहीं कर सकें। बस सरकार रिपीट करने के लिए हमें अलग तरीके से काम करना होगा। मैंने इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को अपना फीडबैक और सुझाव दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि अगर हम सब मिलकर और एक टीम के रूप में काम करेंगे, तो हम अगले साल के चुनाव में मतदाताओं का विश्वास बनाए रखने में सक्षम होंगे।

लोग देख रहे हैं कि हम क्या बोल रहे हैं और कर रहे हैं

राहुल गांधी के सचिन के धैर्य की तारीफ करने, सीएम गहलोत के बागियों के साथ हाथ मिलाने और नकारा-निकम्मा वाले बयान पर पायलट ने कहा- मुझे कब तक सब्र रखना होगा? पार्टी नेतृत्व जहां भी और जब भी काम करने के निर्देश देता है, मैं तो गर्दन नीची करके पार्टी के लिए काम कर रहा हूं। जहां तक नाम देने का सवाल है, मैं पहले ही कई बार इसका उत्तर दे चुका हूं। मुझे ऐसे संस्कार मिले हैं, जिसमें हर हालत में हमेशा गरिमापूर्ण और सम्मानजनक बर्ताव सिखाया है, चाहे सामने से कोई कितने ही आक्रोश में बोले। आखिरकार जनता और वोटर्स ही हमारे जज और ज्यूरी हैं, वे देख रहे हैं और सुन रहे हैं कि हम क्या कहते और करते हैं?

सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को पकड़ने में हो रहा

पायलट ने उदयपुर चिंतन के फैसलों पर कहा- हमारी पार्टी ने उदयपुर डिक्लेरेशन को अपनाया है और इसे संगठन के सभी स्तरों पर लागू करने के लिए काम शुरू हो चुका है। पायलट ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा- आज सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल कांग्रेस और विपक्षी नेताओं को पकड़ने के लिए किया जा रहा है। संस्थानों का खुले तौर पर राजनीतिकरण किया जा रहा है। हमारी प्रतिबद्धता इस देश के मेहनतकश किसानों, युवाओं, गरीबों और वंचितों के लिए आवाज उठाने और उनके लिए खड़े होने की है।

बदलाव के सवाल पर जवाब नहीं...

राजस्थान में चुनावी साल से पहले नेतृत्व परिवर्तन के सवाल पर पायलट ने कहा- मैं उस सवाल का जवाब देने की स्थिति में नहीं हूं। जैसा कि मैंने पहले कहा, हम सभी का सामूहिक लक्ष्य और उद्देश्य अगले साल का विधानसभा चुनाव जीतना है। 2023 का विधानसभा चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि उसके छह महीने बाद ही 2024 का लोकसभा चुनाव है।

कैदी के साथ मित्रता निभाने वाले 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

गैंगस्टर राजू फौजी का सहयोगी है आरोपी, 2 पुलिसवालों की हत्या में शामिल रहा

हिलव्यू समाचार

जोधपुर। 2 पुलिसकर्मियों का हत्यारोपी रामनिवास जाट से जोधपुर पुलिस ने गजब की 'मित्रता' निभाई है। पीठ दर्द की तकलीफ बताकर रामनिवास 24 जून को जोधपुर के मथुरादास माथुर हॉस्पिटल में एडमिट हुआ था। 7 जुलाई को उसकी सुरक्षा में लगा कॉन्स्टेबल उसे उसके घरवालों से मिलवाने ले गया। रात करीब 8 से 12.30 बजे तक वह वार्ड में नहीं था। नर्स जब इंजेक्शन लगाने पहुंची तो पूरे खेल से पर्दा उठ गया। इस दौरान उसकी खोजबीन में करीब साढ़े चार घंटे तक ड्रामा चलता रहा। आनन-फानन अधिकारियों ने हेड कॉन्स्टेबल सहित 5 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। 2 कॉन्स्टेबल की गिरफ्तारी भी हुई है। उनसे पूछताछ की जा रही है। रामनिवास गैंगस्टर राजू फौजी का सहयोगी है।

7 जुलाई की रात क्या हुआ: रात 8 बजे से नर्सिंग स्टाफ की शिफ्ट चेंज होती है। 7 जुलाई को इसी समय रामनिवास एक चालानी गार्ड नरेंद्र को साथ लेकर अस्पताल से रवाना हो गया। जाते समय उसने अपनी जगह कमरे में अस्पताल के पार्किंग कर्मचारी राम किशोर व एक नाबालिग को बैठा दिया। ये दोनों अंदर से दरवाजा बंद कर बैठ गए। रात को 9 बजे नर्स स्मिता अन्य मरीजों की जांच करते हुए रामनिवास के कमरे तक पहुंची। रामनिवास को इंजेक्शन लगाना था। उसने दरवाजा कई बार खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

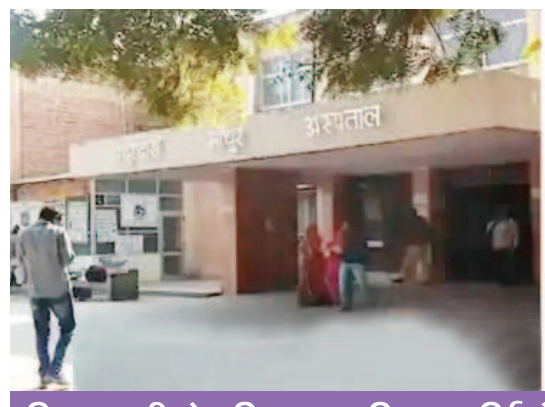

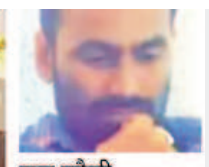

राजू फौजी

रामनिवास जाट

गार्डों की भूमिका की हो रही जांच

जोधपुर की शास्त्री नगर पुलिस ने कॉन्स्टेबल सुखवीर सिंह व नरेन्द्र को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है। अन्य तीनों गार्ड की भूमिका के बारे में भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने रामकिशोर व राधेश्याम को भी हिरासत में लिया है।

निगरानी के लिए 5 पुलिसकर्मियों की तैनाती

जोधपुर पुलिस ने बताया कि पिछले साल भीलवाड़ा में अफीम तस्करों के साथ राजू फौजी से पुलिस की मुठभेड़ हो गई थी। रामनिवास जाट राजू फौजी का मुख्य सहयोगी है। उस पर राजू फौजी को शरण देने व उसके कई अपराधों में साथ देने के आरोप हैं। रामनिवास को जोधपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। रामनिवास जोधपुर जेल में बंद है। 24 जून को रामनिवास को पीठ दर्द की शिकायत हुई तो उसे जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी पर नजर बनाए रखने के लिए हेड कॉन्स्टेबल परसादीलाल मीणा, कांस्टेबल श्रवण, सुखवीर सिंह, सत्यनारायण व नरेन्द्र को तैनात किया गया था।

कमरे से निकला पार्किंग कर्मचारी: रात करीब 10 बजे बजे स्मिता ने एक बार फिर जोर से दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। मामला कैदी से जुड़ा था, इसलिए उसने अन्य कर्मचारियों व वहां तैनात होमगार्ड के जवान को सूचना दी। रात 11 बजे नाइट सुपरवाइर व अस्पताल परिसर में बनी पुलिस चौकी को सूचना दी गई। रात करीब 11.30 बजे सभी ने मिलकर जोर-जोर से दरवाजा खटखटाया। थोड़ी देर में दरवाजा खुला तो पार्किंग कर्मचारी रामकिशोर एक लड़के को लेकर बाहर निकला।

8 जुलाई को नर्स ने दी रिपोर्ट: रामकिशोर ने बताया कि कैदी अंदर है। अंदर कोई नहीं मिला। होमगार्ड के जवान ने रामकिशोर को पकड़ा तो वह चिल्लाने लगा। हंगामा होते देख पुलिसकर्मी सुखवीर सिंह वहां पहुंचा। उसने सभी से कहा कि कैदी नीचे घूमने गया है। अभी आ जाएगा। रात करीब 12.30 बजे रामनिवास कॉन्स्टेबल नरेन्द्र के साथ वार्ड में लौटा। नर्स स्मिता ने 8 जुलाई की दोपहर दो बजे थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इस मामले में शुक्रवार को हेड कॉन्स्टेबल परसादीलाल मीणा, कॉन्स्टेबल श्रवण, सुखवीर सिंह, सत्यनारायण व नरेन्द्र को सस्पेंड कर दिया गया।

भागने का किया प्रयास: अस्पताल की पार्किंग के ठेकेदार राधेश्याम की इस पूरे मामले में अहम भूमिका रही। बार-बार दरवाजा खटखटाने पर अंदर बंद रामकिशोर ने फोन कर राधेश्याम से पूछा कि अब क्या किया जाए? इस पर राधेश्याम के कहे अनुसार उसने दरवाजा खोल दिया और भागने का प्रयास किया।

मुंबई को 2 और बेंगलूरू को एक फ्लाइट नई मिलेगी

जयपुर/। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अडानी समूह लगातार नए शहरों से एयर कनेक्टिविटी के लिए एयरलाइंस को अप्रोच कर रहा है। अगस्त में विस्तारा एयरलाइंस की 3 फ्लाइटें शुरू होंगी। इनमें 2 फ्लाइट मुंबई की और 1 फ्लाइट बेंगलूरू की है। इधर, उद्योगपति राकेश झुंनझुंनवाला की अकासा एयरलाइन को भी फ्लाइट ऑपरेट करने की अनुमति मिल गई है। एयरलाइन ने बोइंग कम्पनी को 72 नए विमान खरीदने का ऑर्डर दे रखा है। दिवाली से पहले जेट एयरवेज भी फ्लाइट संचालन शुरू कर सकती है। पिछले दिनों जयपुर एयरपोर्ट पर जेट एयरवेज ने ऑफिस स्पेस को लेकर जानकारी ली थी। वहीं देश के कई प्रमुख शहरों से चल रही विस्तारा एयरलाइन भी जयपुर में फ्लाइट ऑपरेशन शुरू करेगी। जयपुर एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों का कहना है विस्तारा एयरलाइन अगस्त के पहले सप्ताह में फ्लाइट संचालन शुरू करेगी। एयरलाइन ने एयरपोर्ट पर रिजर्वेशन ऑफिस और बैक ऑफिस की कवायद शुरू कर दी है। इधर, मुंबई की फ्लाइट में जयपुर से एक बेस फ्लाइट भी होगी। विस्तारा टाटा समूह की लग्जरी एयरलाइन है। हालांकि टाटा ग्रुप की एयर एशिया जयपुर में मौजूद है, इसलिए विस्तारा की सीमित फ्लाइट ही रहेंगी। गौरतलब है कि अभी जयपुर एयरपोर्ट से 5 एयरलाइन फ्लाइट संचालित कर रही हैं। इनमें इंडिगो, स्पाइसजेट, एयर इंडिया, एयर एशिया और गो फर्स्ट एयरलाइन शामिल हैं।

पहाड़ों का भी रुख कम, कम यात्रीभार से उड़ान रद्द: पहाड़ी इलाकों में लगातार तेज बारिश होने से पर्यटक पहाड़ों का रुख कम कर रहे हैं। ऐसे में मानसून शुरू होते ही पर्यटन स्थलों के लिए हवाई यात्री घट गए हैं। इसका असर जयपुर एयरपोर्ट से हिमाचल-उत्तराखंड की फ्लाइट्स पर असर पड़ रहा है। स्पाइसजेट की धर्मशाला फ्लाइट एसजी-3441 और देहरादून की फ्लाइट एसजी-2966 कम यात्रीभार के चलते आए दिन रद्द हो रही है। यात्रीभार कम होने की प्रमुख वजह पहाड़ी क्षेत्रों में दुर्घटनाएं भी मानी जा रही हैं। गौरतलब है कि 3 दिन पहले भी दो उड़ानों को रद्द किया गया था।

दिसंबर तक शुरू होगा टर्मिनल-1

कंसलटेंसी एजेंसी जल्द प्लान देतो कुछ डोमेस्टिक उड़ान जल्दी हो सकती हैं शुरू, फ्लाइट ऑपरेशन, चार्टर, इंटरनेशनल उड़ान का होगा नया ठिकाना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दिसंबर तक एक बड़ा बदलाव दिखाई देगा। जिसके तहत करीब 10 साल से बंद टर्मिनल-1 पर फ्लाइट ऑपरेशन फिर से शुरू होगा। हालांकि मास्टर प्लान के लिए हायर की गई कंसलटेंसी एजेंसी अगर जल्दी प्लान दे देती है, तो कुछ डोमेस्टिक फ्लाइट्स के ऑपरेशन के साथ नए टर्मिनल को शुरू किया जा सकता है।

वहीं चार्टर फ्लाइट्स यानी नॉन शेड्यूल्ड फ्लाइट्स के आवागमन के लिए भी डेडिकेटेड टर्मिनल के रूप में टर्मिनल-1 उपलब्ध रहेगा। जयपुर एयरपोर्ट प्रशासन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अक्टूबर तक सभी नॉन शेड्यूल्ड फ्लाइट्स के यात्रियों का आवागमन टर्मिनल-1 से होगा। ऐसा इसलिए भी क्योंकि जयपुर एयरपोर्ट पर अब नॉन शेड्यूल्ड फ्लाइट्स का संचालन बढ़ रहा है। अडानी समूह द्वारा एयरपोर्ट प्रशासन पर दिवाली तक टर्मिनल-1 को शुरू करने का दबाव बनाया जा रहा है। टर्मिनल-1 का रिनोवेशन कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन यहां यात्री वाहनों के लिए पार्किंग सुविधा विकसित करनी होगी। इसके बाद दिवाली तक टर्मिनल-1 को शुरू किया जा सकता है। टर्मिनल-1 से चार्टर फ्लाइट्स के अलावा सभी इंटरनेशनल फ्लाइट भी संचालित होंगी। मल्टीलेवल व अंडरग्राउंड पार्किंग के लिए हटाना होगा अतिक्रमण।

अभी यहां सबसे बड़ी समस्या वाहनों के पार्किंग की है। ऐसे में यहां पहले पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। टर्मिनल-1 में मल्टीलेवल और अंडरग्राउंड पार्किंग बनाया जाना प्रस्तावित है, लेकिन इसके लिए पहले अतिक्रमण हटाना होगा। एयरपोर्ट के पीछे खाली पड़ी 10 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण किया हुआ है। यहां कई कॉलोनियां और मकान बसे हुए हैं, जबकि जमीन एयरपोर्ट अथॉरिटी की है, लेकिन करीब 10 साल से यहां से फ्लाइट ऑपरेशन बंद था, ऐसे में अथॉरिटी ने जमीन पर ध्यान नहीं दिया। अब अडानी समूह जेडीए को पत्र लिखेगा, ताकि जगह को खाली कर, यहां पार्किंग विकसित की जा सके। यहां पार्किंग विकसित होने पर पार्किंग की समस्या दूर हो सकेगी।

राजसिको विकसित करेगी विस्तृत स्तर का नवीन एयर कार्गो कॉम्पलेक्सः राजसिको चेयरमैन

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन की संचालक मण्डल की बैठक सोमवार को उद्योग भवन परिसर में राजीव अरोड़ा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। संचालक मण्डल की बैठक में एमआई रोड जयपुर स्थित राजस्थली मॉल में नवीन खादी प्लाजा प्रारम्भ करने की सहमति प्रदान की गई। इससे राज्य के खादी बुनकरों को अपना माल विपणन करने में सुविधा प्राप्त होगी। श्री अरोड़ा बताया कि राजस्थली की सुसज्जा के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की सेवाएं ली जा रही हैं ताकि इसे पर्यटको के लिए एक आर्कषण केन्द्र के रूप में विकसित किया जा सके। निगम के संचालक मण्डल द्वारा इनलैण्ड कंटैनर डिपो मानसरोवर में एक नवीन वृहद् स्तर के एयर कार्गो कॉम्पलेक्स को विकसित करने का निर्णय लिया गया। अरोड़ा ने बताया कि इस नवीन एयर कार्गो कॉम्पलेक्स में राजस्थान के मूल्यवान, अर्धमूल्यवान ज्वैलरी के साथ-साथ राजस्थान में उत्पादित फलों एवं सब्जियों का निर्यात भी किया जाएगा। इसके लिए निर्यातको को आवश्यक आधुनिक सुविधाए उपलब्ध करवाई जाएगी। नवीन परिसर में प्रथम बार फलों एवं सब्जियों के निर्यात के लिए दो बडे कोल्ड स्टोर स्थापित करवाए जाएंगे। अरोड़ा ने बताया कि राजसिको द्वारा निर्यात के लिए रेल लिंक उपलब्ध करवाने के लिए फुलेरा एवं इसके आस-पास के स्थानों पर उपयुक्त स्थान की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि राजसिको गत कई वर्षो से बन्दरगाह तथा एयर कार्गो के व्यवसाय में कार्य कर रहा हैं। अब निगम को राज्य की राज्य स्तरीय लॉजिस्टिक नोडल एजेंसी के रूप में विकसित करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के प्रथम त्रिमास में हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री गत वर्ष के प्रथम त्रिमास की तुलना में तीन गुना बढ गई है।

पिता ढूंढ लाया बेटे के मर्डर का सबूतः राजस्थान पुलिस पर सवाल खड़े करती ऐसी घटनाएँ

नशे की ओवरडोज से मौत बताकर टरकाती रही पुलिस, SHO बोले...12वां करके आना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 19 साल के बेटे की मौत ने परिवार को तोड़ दिया। अंतिम सफर में कंधा देने वाले बेटे को पिता को ही मुखाग्नि देनी पड़ी। परिवार का दुख और असहनीय हो गया जब पुलिस नशे की ओवरडोज से मौत कहकर टरकाती रही। पिता कहता रहा कि उसके बेटे की हत्या हुई है, लेकिन SHO बोले- 12वां करने के बाद आना तब देखेंगे।

मर्डर की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पिता जयपुर के करधनी थाने के चक्कर काटता रहा। आखिरकार पिता ने खुद जानकारी जुटानी शुरू की और पहुंचा गया उस सीसीटीवी कैमरे तक, जिसमें आरोपी उसके बेटे की लाश को ठिकाने लगाने के लिए जाते दिख रहे हैं। मजबूर पिता ने बेटे के मर्डर के सबूत पुलिस अफसरों को दिखाए तब जाकर हत्या का मामला दर्ज किया गया। अब पुलिस अपनी करनी पर सफाई दे रही है।

बचपन के दोस्त के घर जाने को कहकर निकला था रविन्द्र: अजीत सिंह शेखावत ने बताया, '5 जून की शाम करीब 4 बजे बेटा रविन्द्र अपने बचपन के दोस्त आर्यन के घर जाने की कहकर निकला था। 6:30 बजे तक वापस घर नहीं आया तो उसे ढूंढते हुए मैं निवारु रोड पहुंचा। वहां आर्यन अपने दोस्त के साथ मिला। पूछने पर उसने रविन्द्र से मिलने की बात से इंकार कर दिया। अगले दिन 6 जून को भी बेटा घर नहीं आया। मैं उसे ढूंढने निवारु रोड नांगल जैसा बोहरा तक गया। आर्यन से जानकारी लेनी चाही पर उसने मेरा मोबाइल ब्लैक लिस्ट में डाल दिया। इस बीच 7 जून को करीब 9:30 बजे बेटे की लाश नागंल जैसा बोहरा स्थित निर्मल वाटिका में रोड किनारे खेत में मिली।'

बार-बार कॉल कर जानकारी ले रही थी दोस्त की मां, तब शक हुआ: अजीत ने बताया- 'रविन्द्र की लाश मॉच्यूरी में रखी थी। 7 जून की शाम को आर्यन की मां ने कॉल कर पोस्टमार्टम के बारे में पूछा। अगले दिन सुबह कांवटिया में पोस्टमार्टम करवाने के दौरान दोबारा कॉल कर पूछा। तीसरी बार कॉल कर पूछा, दाह संस्कार के लिए गांव रवाना हो गए? बार-बार कॉल करने पर मुझे शक हुआ।'

पुलिस ने नहीं सुनी तो पिता शुरू की तलाश: 'जब पुलिस ने नहीं सुनी तो मैं खुद प्रयास में जुट गया। जिस खेत में बेटे की लाश मिली, वहां आसपास के लोगों से जानकारी ली। पता चला कि उस खेत में मजदूर काम करते हैं। उनसे जानकारी ली। फिर वहां से करीब 50 मीटर दूर एक प्राइवेट क्लीनिक में सीसीटीवी कैमरा लगा था। उसकी फुटेज निकलवाई तो 6-7 जून की दरमियानी रात पौने चार बजे दो बाइक पर 5 लोग जाते नजर आ रहे थे। आगे चल रहे बाइक सवार ने मेरे बेटे की लाश को खुद से बांध रखा है। पीछे-पीछे बाइक पर उसके तीन साथी चल रहे थे। बेटे की हत्या कर लाश ठिकाने लगाने वाले उसके दोस्त ही हैं।' जहां लाश मिली वो जगह घर से करीब 8 किलोमीटर दूर थी।

वहीं, दोस्त आर्यन के घर से सिर्फ 4 किलोमीटर दूर है।

'इसके बाद 5 जुलाई को एडि. डीसीपी रामसिंह से मिला। सबूत दिखाकर बेटे की हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराने की गुजारिश की। इसी दिन उन्होंने करधनी थाने में कॉल किया तब जाकर मर्डर की धारा में मामला दर्ज किया गया।' उधर, करधनी थाने के एसएचओ बनवारी लाल मीणा का कहना है कि प्रारंभिक जांच में नशे की ओवरडोज से मौत का मामला सामने आया था। मृतक नशे का आदी था। वह नशा मुक्ति केंद्र भी गया था।

उसके पिता की शिकायत पर मर्डर का केस दर्ज किया गया है। पहले भी जांच की जा रही थी, अब भी जांच की जाएगी। जो सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, शव मिलने के दौरान हमने भी जांच की थी, लेकिन तब हमें ऐसा लगा नहीं था।

साढ़े 7 लाख कर्मचारियों को बीमा पॉलिसी पर मिलेगा बोनसः खिलाड़ी-कोच को 5 लाख का पुरस्कार, वेटरनरी इंटर्न्स को महंगाई भत्ता देगी गहलोत सरकार

जयपुर। प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों की बीमा पॉलिसियों पर वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए बोनस देने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रस्ताव मंजूर करते हुए एक्चुअरी मूल्यांकन (EVALUTION) रिपोर्ट को स्वीकृति दी है। इस फैसले से लगभग 7.50 लाख कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। वित्त विभाग के प्रस्ताव के मुताबिक राजस्थान सरकारी कर्मचारी बीमा नियम-1998 के तहत बीमा निदेशक की ओर से करवाए गए एक्चुरीअल मूल्यांकन की रिपार्ट में साल 2019-20 और 2018-19 के लिए एण्डोमेंट पॉलिसी के लिए 90 रुपए प्रति हजार और आजीवन पॉलिसी के लिए 112.50 रुपए प्रति हजार की रेट से साधारण रिवर्सनरी बोनस देने की सिफारिश की गई है।इसके अलावा अगला मूल्यांकन रिजल्ट आने तक इसी रेट पर इंटरिम बोनस देने और टर्मिनल बोनस 4 रुपए प्रति हजार रखने की भी सिफारिश की गई है।

खिलाड़ी-कोच को पुरस्कार राशि 1 से बढ़ाकर 5 लाख रुपए: प्रदेश सरकार ने खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए महाराणा प्रताप और गुरू वशिष्ठ पुरस्कार की राशि 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी है। मुख्यमंत्री गहलोत ने पुरस्कार राशि में 5 गुणा बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। एक फायनेंशियल ईयर में 5 खिलाड़ियों और 5 ट्रेनर्स (कोच) को ये पुरस्कार मिलेंगे। खेलों में इंटरनेशनल लेवल की फैसिलिटी डवलप करने और खेल प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए इसे बड़ा फैसला माना जा रहा है। गहलोत ने 29 मई 2022 को एसएमएस स्टेडियम जयपुर में लोकार्पण और खिलाड़ी सम्मान समारोह के दौरान पुरस्कार राशि बढ़ाने की घोषणा की थी। इससे पहले साल 2014 में इन दोनों पुरस्कारों की राशि 50 हजार रुपए से बढ़ाकर 1 लाख रुपए की गई थी। अब तक 210 खिलाड़ियों को ये पुरस्कार मिल चुके हैं। गुरू वशिष्ठ पुरस्कार की शुरुआत 1985-86 में हुई थी। यह अब तक 40 स्पोर्ट्स ट्रेनर्स को दिया जा चुका है। महाराणा प्रताप पुरस्कार की शुरूआत 1982-83 में हुई थी। यह अब तक 170 खिलाड़ियों को मिल चुका है। ये दोनों राज्य के सबसे बड़े खेल पुरस्कार हैं, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सलेक्टेड खिलाड़ियों और ट्रेनर्स को दिया जाता है।

वेटरनरी इंटर्न स्टूडेंट्स को स्टाईपेंड पर मिलेगा महंगाई भत्ता

गहलोत ने वेटरनरी के इंटर्न स्टूडेंट्स को स्टाईपेंड पर आयुर्वेद और ऐलोपैथी मेडिकल इंटर्न्स के बराबर महंगाई भत्ता देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब वेटरनरी इंटर्न्स को स्टाईपेंड के साथ-साथ महंगाई भत्ता भी दिया जाएगा। जो वर्तमान में नहीं दिया जा रहा था। जबकि ऐलोपैथी और आयुर्वेद डिपार्टमेंट के इंटर्न्स को स्टाईपेंड पर राज्य कर्मचारियों की तर्ज पर महंगाई भत्ता दिया जाता है। मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलने के बाद अब वेटरनरी के इंटर्न को 1 अप्रैल 2022 की बैक डेट से यह महंगाई भत्ता मिलेगा। गहलोत ने 2022-23 के बजट घोषणा में वेटरनरी इंटर्न को स्टाईपेंड 3500 रुपए से बढ़ाकर 14000 रुपये करने के आदेश पहले ही जारी कर दिए हैं।

एक नज़र

नड्डा आबू में, शाह से मिलने दिल्ली पहुंचीं वसुंधरा

सियासी सरगर्मियां बढ़ीं, बीजेपी अध्यक्ष बोले...राजनीति में फैमिली को शामिल मत करो

हिलव्यू समाचार

जयपुर/माउंट आबू। भारतीय जनता पार्टी ने अगले साल होने वाले राजस्थान विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। भाजपा लगातार राजस्थान में अलग-अलग कैंप आयोजित कर कार्यकर्ताओं को मैसेज दे रही है। इसी कड़ी में राजस्थान के माउंट आबू में तीन दिन का ट्रेनिंग कैंप आयोजित हुआ।

मंगलवार को कैंप के अंतिम दिन भाजपा अध्यक्ष भी जेपी नड्डा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि राजनीति में घर वालों को शामिल मत करो। मुझको बनाने के लिए पार्टी के कार्यकर्ता हैं, न कि उनके घर वाले हैं। वहीं, वसुंधरा राजे के दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की खबरों से राजनीति गर्मा गई है।

इससे पहले आज सुबह जेपी नड्डा उदयपुर के डबोक एयरपोर्ट से सड़क मार्ग के जरिए माउंट आबू पहुंचे। उन्होंने यहां नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कैंप में नेताओं से कहा गया है कि मोदी सरकार की जनकल्याण की योजनाओं, उपलब्धियों, राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाने की जानकारी 52000 बूथ के लाखों कार्यकर्ताओं तक पहुंचाई जाए।

दूसरी ओर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने तीनों दिन बीजेपी के ट्रेनिंग कैंप से दूरी बनाए रखी। सूत्रों के मुताबिक राजे दिल्ली पहुंच गईं। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से करीब 45 मिनट मुलाकात की। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 से जोड़कर इसे दिखा जा रहा है। 9 जुलाई को अमित शाह के जयपुर दौरे के वक्त शाह ने सभी नेताओं से एक साथ मुलाकात की थी। अलग से मुलाकात को लेकर भी सियासी चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

कोई भी पार्टी से बड़ा नहीं होता: नड्डा ने कहा कि राजनीति में अपने घरवालों को इन्वॉल्व मत करो। कोई भी व्यक्ति पार्टी से बड़ा नहीं होता है। पार्टी का भला होगा,तो ही आप सबका भला होगा। राजनीति में सबकी बारी आती है। मैं का भाव नहीं रखकर हम का भाव रखें। नड्डा ने सियासी मैसेज देते हुए कहा कोई ये कहे कि मुझे पार्टी में 20 साल हो गए मेरा क्या हुआ, तो वह ऐसी सोच लाने से पहले सोचे कि आपका 20 साल में पार्टी के लिए कितना योगदान रहा है। नड्डा ने कहा राजस्थान में 2023 और केन्द्र में 2024 हमारा है। उन्होंने बूथ, शक्ति केन्द्र और मंडल को मजबूत करने के लिए सभी नेताओं से टाइमबाउंड और स्ट्रक्चर्ड दौरे (प्रवास) करने को कहा। राजस्थान बीजेपी के सभी नेताओं ने पिछले कुछ दिनों से लगातार पीएम नरेन्द्र मोदी के भाषण, घोषणाओं, जनहित के फैसलों, कार्यक्रमों को ट्वीट करने, पीएम के ट्वीट को रिट्वीट करने और अपने सोशल मीडिया पेज पर मोदी और केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को शेयर करना भी शुरू कर दिया है।

हथिनी मुस्कान को पसंद नहीं आया सेल्फी लेना

हाथी गांव से आमेर महल जाने के दौरान मारी पर्यटक को सूंड

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। 50 नम्बर की हथिनी मुस्कान को सुबह काम में जाने के दौरान एक पर्यटक का सेल्फी लेना पसंद नहीं आया। मुस्कान ने पर्यटक को अपने से दूर करने के लिए पहले सूंड से धक्का दिया फिर उसके बच्चे की और बढी। जिसे देख कर एक बार सड़क पर हडकम्प मच गया। मीडिया में जानकारी आने पर आमेर महल अधीक्षक पंकज धरेन्द्र ने हथिनी को रोस्टर से बाहर कर दिया है। हथिनी के मालिक को मुस्कान का मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट लाने के तक महल आने पर रोक लगा दी है। स्थानीय निवासी मुकेश सैन ने बताया कि एक हथिनी के सामने सेल्फी लेने के दौरान हथिनी को सेल्फी नागवार गुजरी कि उसने पास से गुजर रहे पर्यटक को लात मार दी। मामला यहीं शात नहीं हुआ, पर्यटक के साथ मौजूद दस साल के बच्चे को भी सूंड से धक्का मार दिया। बच्चा गिर गया, पैरों के नीचे कुचलता कुचलता बचा। इस हादसे के बाद भीड़ लग गई।

बैंकॉक की युवतियां 1.80 किलो सोना पहनकर पहुंचीः जयपुर एयरपोर्ट पर पकड़ा

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जयपुर एयरपोर्ट पर बैंकॉक की तीन युवतियों को सोने की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया। इन युवतियों के पास से 1.80 किलो सोना जब्त किया गया। पकड़ा गया सोना 90.43 लाख रुपए का है। तीनों युवतियां जयपुर के ज्वेलर के संपर्क में थी। कस्टम विभाग के अफसरों ने बताया कि बैंकॉक से रविवार रात जयपुर एयरपोर्ट पहुंची एयर एशिया की फ्लाइट- 131 से तीन युवतियां गोल्ड लेकर आई थी। संदेह होने पर इन युवतियों से पूछताछ की गई। इसके बाद तीनों युवतियों की जांच हुई तो हाथों में गोल्ड के कड़े और गले में चेन पहनी हुई थी। जांच से बचने के लिए इन तीनों ने ज्वेलरी कपड़ों से ढक रखी थी। जब गोल्ड को लेकर इनसे पूछताछ की गई तो जवाब नहीं दिया। जिस पर टीम ने इन्हें गोल्ड तस्करी करने के मामले में गिरफ्तार किया।

पकड़े जाने पर बोली अंग्रेजी नहीं आती: एयरपोर्ट पर कस्टम अफसरों ने जब युवतियों से पूछताछ करना शुरू किया तो उन्होंने अंग्रेजी नहीं आना बताया। कुछ समय बाद ट्रांसलेटर को बुलाया गया। इन युवतियों ने उसे भी सही जवाब नहीं दिए।

पहले भी आ चुकी जयपुर: जांच में सामने आया कि ये युवतियां पहले भी जयपुर में गोल्ड की सप्लाई कर चुकी है। ये किसके लिए गोल्ड लेकर आ रही थी। इसे लेकर कस्टम अफसर युवतियों से पूछताछ कर रहे हैं। वहीं जयपुर एयरपोर्ट के बाहर लगे CCTV भी खंगाले जा रहे हैं। पूर्व में जयपुर आने पर ये लड़कियां किसी होटल या फ्लैट में रुकी थी ।

जयपुर के एक बड़े ज्वेलर से संपर्क: सूत्रों की माने तो जयपुर के एक बड़े ज्वेलर से इन युवतियों का सम्पर्क होना सामने आया है। युवतियों को कोर्ट में पेश कर आगे की पूछताछ के लिए रिमांड पर भी लिया जा सकता है।

फ्री तीर्थ यात्रा के लिए आवेदनों की बाढ़

पाँच गुना से ज्यादा लोग लाइन में, पशुपतिनाथ, रामेश्वरम धाम के लिए सबसे ज्यादा आवेदन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सीनियर सिटीजन के लिए फ्री तीर्थ यात्रा के लिए सरकार को 25 दिन में 5 गुना आवेदन मिले हैं। लोगों ने सबसे ज्यादा पशुपतिनाथ जाने के लिए दिलचस्पी दिखाई है, इसके लिए 44 हजार से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया है, जबकि दूसरे नंबर पर मदुरई के रामेश्वरम जाने के लिए लोगों ने सबसे ज्यादा आवेदन किए है। दरअसल सरकार सितम्बर-अक्टूबर में प्रदेशभर से 20 हजार लोगों को भारत-नेपाल के 15 तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाएगी।

इसमें 14 तीर्थ स्थलों के दर्शन के लिए यात्रियों को ट्रेन से लेकर जाएंगे, जबकि नेपाल के काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ जाने वाले यात्रियों को हवाई जहाज से लेकर जाएंगे। आपको बता दें कि इस योजना के लिए 16 जून से 10 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। इसमें ट्रेन से 14 तीर्थ स्थलों पर जाने के लिए 62,815 आवेदन आए है, जिसमें 1 लाख 3 हजार 126 लोगों की डिटेल भेजी गई है।

जयपुर से सबसे ज्यादा और जैसलमेर से सबसे कम आवेदन

जिलेवार आवेदनों की स्थिति देखे तो सबसे ज्यादा जयपुर से आवेदन आए है। जयपुर में 6761 आवेदन आए है, जिसमें यात्रा के लिए 11207 लोगों की डिटेल आई है। जयपुर के अलावा झालावाड़, जोधपुर, कोटा और उदयपुर जिले में भी 3-3 हजार से ज्यादा आवेदन आए है। वहीं सबसे कम जैसलमेर से 165 आवेदन मिले है, जिसमें कुल 265 लोगों की डिटेल आई है।

2 हजार सीटों के लिए 22 गुना आवेदन

पशुपतिनाथ के लिए सरकार ने 2 हजार यात्रियों के लिए आवेदन मांगे थे, लेकिन 22 गुना से ज्यादा आवेदन आए है। इसके लिए 44 हजार 972 ने आवेदन किए है। ऐसे में अब इन सभी आवेदनों की जांच के बाद इनकी प्रायोरिटी लॉटरी निकाली जाएगी।

रामेश्वरम के लिए भी लम्बी लाइन

पशुपतिनाथ के अलावा दक्षिण भारत के रामेश्वरम धाम के लिए भी लोगों की लम्बी लाइन है। ट्रेन से यात्रा करने वाले 14 तीर्थ स्थलों में रामेश्वरम के लिए 30 हजार 717 लोगों ने पहली प्राथमिकता दी है, जबकि जगन्नाथपुरी इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है, जहां 14 हजार 412 लोगों ने रामेश्वरम के बाद दूसरी प्रायोरिटी में रखा है। बिहार शरीफ के लिए सबसे कम 71 लोगों ने पहली प्रायोरिटी दी है।

तीन बदमाशों ने 2 मिनट में लूटे 10 लाखः हथियार लेकर सरकारी बैंक में घुसे, फायरिंग करते हुए फरार

हिलव्यू समाचार

करौली। बाइक से आए 3 हथियारबंद युवक फायरिंग करते हुए बैंक में घुसे और करीब पौने 10 लाख रुपए लूट ले गए। उन्होंने मैनेजर पर भी फायर किया। वह बाल-बाल बच गए। एक युवक हथियार लेकर खड़ा रहा और दूसरा बैग में रुपए भरा। काम होने के बाद दोनों फायर करते हुए फरार हो गए। लुटेरों ने मात्र 2 मिनट में इस वारदात को अंजाम दिया। मामला करौली के नादौती क्षेत्र का है।

कैशियर सीट छोड़ भागा: टोडाभीम डीएसपी फूलचंद ने बताया कि कैमला गांव स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में लूट की वारदात को अंजाम दिया गया है। घटना मंगलवार दोपहर करीब पौने तीन बजे की है। लंच के बाद एक बाइक पर आए 3 हथियारबंद युवक बैंक आए।इनमें से दो अंदर आए और एक बाहर ही खड़ा रहा। अंदर गए युवक ने बैंक मैनेजर दयाराम मीणा पर फायर कर दिया। बदमाशों ने जैसे ही फायर किया कैशियर अपनी सीट छोड़कर काउंटर से बाहर आ गया। इसके बाद बैंककर्मी हाथ खड़े कर साइड में खड़े हो गए।

10-15 लोग मैजूद थे बैंक में: बैंक में आए ग्राहक भी चुपचाप अपनी जगह पर खड़े लुटेरों को देखते रहे। एक युवक बैग लेकर कैश काउंटर के अंदर घुसा और पैसे भर लिए। इस दौरान उसके साथी हथियार लेकर खड़े रहे। एक साथी अंदर निगरानी कर रहा था तो दूसरा बाहर नजर रखे हुए था। बैग में रुपए भरने के बाद बदमाश फायर करते हुए फरार हो गए। दयाराम मीणा ने बताया कि बदमाश 9.65 लाख ले गए। दरअसल, बैंक में इतनी ही रकम

पुलिस चौकी पर भी फायरिंग

लूट की सूचना मिलते ही पुलिस ने नाकाबंदी कराई, लेकिन बदमाश भाग निकले। उन्होंने रोसी चौकी पर भी फायरिंग की। फायरिंग की ये वारदात वहां मौजूद एक व्यक्ति के मोबाइल में कैद हो गई। बैंक में लगे छ्ष्टञ्जङ्क कैमरे में भी बदमाश बैंक में घुसते और फायरिंग करते हुए साफ नजर आ रहे हैं। बदमाशों ने करीब 2 मिनट में ही वारदात को अंजाम दिया। उधर, एएसपी नारायण टोगस सहित कई थानों की पुलिस बैंक पहुंच गए। फरवरी 2018 में भी इसी तरह की वारदात हुई थी। नादौती से कैश लेकर कैमरा की बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा आ रहे शाखा प्रबंधक से बदमाशों ने 20 लाख रुपए लूट लिए थे।

जयपुर में इंग्लिश मीडियम स्कूल का शुरू हुआ विरोध

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा हिंदी मीडियम स्कूल को इंग्लिश मीडियम में कन्वर्ट किया जा रहा है। लेकिन राजधानी जयपुर में सरकार के इसी फैसले को लेकर अभिभावकों ने विरोध शुरू कर दिया है। झालाना स्थित सरकारी स्कूल को हाल ही में शिक्षा विभाग में इंग्लिश मीडियम स्कूल में क्रमोन्नत किया था। जिसकी वजह से स्कूल से लगभग 1000 बच्चों को बाहर किया जा रहा था। ऐसे में मंगलवार को अभिभावकों के साथ क्षेत्रीय विधायक कालीचरण सराफ ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इसके साथ ही सर्राफ ने 15 जुलाई तक हिंदी मीडियम स्कूल फिर से शुरू नहीं करने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

दरअसल, जयपुर के झालाना स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को पिछले दिनों शिक्षा विभाग की ओर से इंग्लिश मीडियम स्कूल में परिवर्तित करने का फैसला लिया गया था। स्कूल में 1200 से ज्यादा बच्चे अध्ययनरत हैं। लेकिन पिछले दिनों स्कूल में लॉटरी के माध्यम से महज 200 बच्चों की ही प्रवेश प्रक्रिया को पूरी किया गया। वहीं स्कूल के प्रिंसीपल ने दूसरे बच्चों को टीसी लेने की बात कही गई। जिसके बाद अभिभावकों के साथ विधायक सर्राफ ने झालाना में ही इंग्लिश मीडियम के साथ ही हिंदी मीडियम स्कूल को भी संचालित करने की मांग रखी।

विधायक कालीचरण सराफ ने बताया कि ये स्कूल 5वीं तक ही था। हर बार बीजेपी सरकार ने ही इस स्कूल को क्रमोन्नत करते हुए 12वीं तक किया। फिलहाल स्कूल में करीब 1200 से ज्यादा बच्चे पढ़ रहे हैं। लेकिन शिक्षा विभाग ने मनमानी करते हुए स्कूल को इंग्लिश मीडियम में बदल दिया। जिसके चलते करीब 1 हजार बच्चों के सामने टीसी कटवाने का संकट बन गया है। ऐसे में इंग्लिश मीडियम के साथ ही हिंदी मीडियम में भी पढ़ाई करवाई जाए। जिसके किसी बच्चे की टीसी ना कटवानी पड़े। लेकिन अगर 15 जुलाई यह आदेश जारी नहीं हुआ। तो 16 जुलाई को एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

बोलने-सुनने के लिए बच्ची के दिमाग के अंदर लगाई मशीन

सरकारी मेडिकल कॉलेज में पहली बार हुई ऐसी सर्जरी, सात घंटे लगे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में पहला ऑडिट्री ब्रेनस्टेम इंप्लांट किया गया। करीब 5 साल पहले एक बच्ची (14) जिसके दिमाग में इंफेक्शन होने के बाद सुनने और बोलने की क्षमता खत्म हो गई थी। बच्ची के पिता ने जब डॉक्टर को दिखाया और डॉक्टरों ने उसकी जांच की तब कॉकलियर इंप्लांट के बजाए ऑडिट्री ब्रेनस्टेम इंप्लांट करने का निर्णय लिया था, लेकिन पैसे नहीं होने के कारण ऑपरेशन नहीं हो सका था। 2021 में दो डॉक्टर अचल शर्मा और डॉ. मोहनीश ग्रोवर ऑडिट्री ब्रेनस्टेम इंप्लांट की ट्रेनिंग लेकर आए। अलग-अलग फंड के जरिए ऑपरेशन के पैसों की व्यवस्था की गई। परिवार से एक रुपए भी नहीं लिए गए। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि यह सर्जरी राजस्थान में पहले कभी नहीं की गई। देश के किसी भी सरकारी मेडिकल कॉलेज में भी यह पहली बार हुई है।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. राजीव बगरहट्टा ने बताया कि शनिवार को एसएमएस हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम ने चेन्नई से आए स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की मॉनिटरिंग और निर्देशन पर इस ऑपरेशन को 7 घंटे की मशक्कत के बाद किया। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 9 बजे ऑपरेशन शुरू किया गया, जो शाम 4 बजे तक चला। इस दौरान बच्ची के दिमाग का ऑपरेशन करके उसमें मशीन को फिट गया। इस दौरान न्यूरोसर्जरी डिपार्टमेंट के हैड डॉ. अचल शर्मा, ईएनटी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मोहनीश ग्रोवर, न्यूरो सर्जन डॉ. गौरव जैन, एनिस्थिसिया डिपार्टमेंट की सीनियर प्रोफेसर डॉ. शोभा पुरोहित के साथ ही अन्य डॉक्टर्स की टीम भी मौजूद रही।

16 लाख रुपए से ज्यादा का आता है खर्च

जिस बच्ची का ऑपरेशन आज हुआ है, उसकी के माता-पिता की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसके चलते ये इंप्लांट रूका पड़ा था। डॉ. ग्रोवर ने बताया कि इस पूरे ऑपरेशन पर करीब 16 लाख रुपए का खर्चा आया है, लेकिन बच्ची के परिवार का एक भी रुपया खर्च नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री सहायता कोष के अलावा अन्य स्त्रोतों से फंडा जुटाकर इस ऑपरेशन को किया गया है। इस ऑपरेशन में जो मशीन दिमाग के अंदर फिट की गई है, वही केवल 14 लाख रुपए की है, जिसे ऑस्ट्रिया से मंगवाया गया है।

2-3 साल का लगेगा समय

हॉस्पिटल के ईएनटी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने बताया कि इस बच्ची को अभी पूरी तरह से सुनने, समझने और बोलने में 2-3 साल का समय लगेगा। एक महीने बाद अब एक मशीन बच्ची के कानों के पास लगाई जाएगी। जो रिसिवर का काम करेगी। दिमाग के अंदर लगी मशीन को इंनपुट भेजेगी। इस मशीन के फिट होने के बाद बच्ची को 2 महीने बाद धीरे-धीरे सुनाई देने लगेगा। हालांकि 2 या ढाई साल तक स्पीच थैरेपी करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन बड़ा जटिल था, क्योंकि इसमें दिमाग की कवरिंग हड्?डी को हटाया और दोबारा लगाया जाता है। इस दौरान सबसे बड़ा डर रहता है कि कहीं कोई ऐसी नस दबी न रह जाए या डेमेज न हो जाए, जिससे मरीज के शरीर का कोई अन्य हिस्सा न प्रभावित हो।

एनआरआई स्काई पार्क तथा एस.एस. रेजीडेन्सी में आवेदन की तिथि बढ़ाई

जयपुर। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल ने आवेदकों के रूझान को देखते हुए जयपुर के प्रताप नगर में अपनी दो बहुमंजिला आवासीय योजनाओं एनआरआई स्काई पार्क तथा स्टेट सर्विस रेजीडेन्सी में आवेदन की अंतिम तिथि 11 जुलाई से बढाकर 1 अगस्त, 2022 कर दी है। इससे अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं में आवेदन कर सकेंगे। आवासन आयुक्त ने बताया कि आमजन के लिये स्ववित्त पोषित पंजीकरण योजना एनआरआई स्काई पार्क में उच्च आय वर्ग के 166 फ्लैट्स बनाये जाने हैं। उन्होंने बताया कि स्टेट सर्विस रेजीडेन्सी योजना में राज्य स्तरीय सेवाओं, राजभवन राजस्थान, बोर्ड, निगम, सार्वजनिक उपक्रम एवं स्वायत्तशाषी संस्थाओं के सेवारत अधिकारियों के साथ-साथ अब इनके सेवानिवृत्त अधिकारी भी आवेदन कर सकेंगे। साथ ही केन्द्र सरकार के विभागों, निगमों, बोर्ड, सार्वजनिक उपक्रम, बैंक, रेलवे तथा सेन्ट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी भी अब स्टेट सर्विस रेजीडेन्सी योजना में आवेदन के पात्र होंगे।

साड़ी गाउन से ग्लैमरस लुक

अगर आप साड़ी पहनने की शौकीन हैं, लेकिन 6 गज की साड़ी पहनने और उसे मैनेज करने में असहज महसूस करती हैं, तो ट्राई करें ग्लैमरस साड़ी गाउन. साड़ी और गाउन के कम्बिनेशन से बना साड़ी गाउन काफी स्टाइलिश नजर आता है. इसे मैनेज करना भी बहुत आसान होता है.

पहनना और मैनेज करना आसान

एवरग्रीन और हमेशा फैशन में इन रहने वाले साड़ी गाउन को पहनना और मैनेज करना बहुत ही आसान है. चूंकि इस में प्लीट्स के साथ ही ब्लाउज और पल्लू भी अटैच्ड होता है, इसलिए इसे दूसरी ड्रेस की तरह आसानी से मिनटों में पहना जा सकता है और सब कुछ अटैच्ड होने की वजह से प्लीट्स या पल्लू खुलने का डर भी नहीं होता तथा यह आसानी से बॉडी पर सेट हो जाता है.

कैसे चुनें परफेक्ट वियर

साड़ी गाउन खरीदते वक्त मार्केट में आपको इसके पैटर्न, स्टाइल और फैब्रिक में कई तरह की वैराइटी देखने को मिलेगी. ऐसे में अगर अपने लिए परफेक्ट साड़ी गाउन खरीदना चाहते हैं तो कुछ बातों को ध्यान में रखें

पैटर्न

मार्केट में साड़ी गाउन की बहुत वेराइटी उपलब्ध होती हैं. धोती, पैंट स्टाइल से लेकर फिश कट, लहंगा से लेकर स्ट्रेट कट. ऐसे में साड़ी गाउन के पैटर्न का चुनाव अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में रखकर करें. ऐसा पैटर्न चुनें, जो आपकी बॉडी शेप पर सूट करे. जैसे अगर आपकी हाइट कम है, तो स्ट्रेट या फिश कट साड़ी गाउन खरीदें. इससे आप लंबी नजर आएंगी और अगर आपकी हाइट ज्यादा है, तो फ्लेयर्ड साड़ी गाउन खरीद सकती हैं.

ब्लाउज

साड़ी गाउन के ब्लाउज में भी काफी पैटर्न होते हैं जैसे वन शोल्डर, ऑफशोल्डर, स्लीवलेस, हाफस्लीव, फुलस्लीव, थ्रीफोर्थ स्लीव ब्लाउज आदि. इसके साथ ही नेकलाइन में भी डिफरेंट वेराइटी देखने को मिलती है जैसे राउंड, स्क्वेयर, ओवल, पैक नैकलाइन. ऐसे में पर्सनैलिटी को सूट करने वाले ब्लाउज के हिसाब से ही साड़ी गाउन का चुनाव करें.

डिजाइन

सिंपल एंड सोबर से लेकर सीक्वेंस, शीयर और एंब्रायडरी वर्क वाले साड़ी गाउन भी बाजार में आसानी से मिलते हैं. इनका चुनाव ओकेजन के अनुसार करें, जैसे शादी-ब्याह के खास मौके के लिए सीक्वेंस, शीयर या फिर एंब्रायडरी वाले हैवी वर्क का साड़ी गाउन खरीदें, तो डे पार्टी, गेटटुगेदर के लिए सिंपल और सोबर डिजाइन वाला साड़ी गाउन खरीदें.

कलर्स

लाइट से लेकर डार्क, ब्राइट से लेकर डल कलर्स में साड़ी गाउन के कई ऑप्शंस मिलेंगे. लेकिन चयन ऐसे शेड का करें, जो आपकी स्किनटोन को सूट करे. अगर आप गोरी हैं तो रेड, पिंक, गोल्ड, सिल्वर जैसे शेड्स का साड़ी गाउन खरीदें. अगर आपका रंग सांवला है तो लाइट या पेस्टल शेड्स का साड़ी गाउन ट्राई करें. कुछ गाउन ड्यूअल शेड, कंट्रास्ट कलर्स व मल्टी शेड्स में भी बनाए जाते हैं. इन्हें भी ट्राई किया जा सकता है.

फैब्रिक

नेट से लेकर सिल्क, ब्रोकेट से लेकर जॉर्जेट फैब्रिक में भी साड़ी गाउन उपलब्ध हैं. अलग-अलग फैब्रिक में इनका लुक भी काफी डिफरेंट नजर आता है. ऐसे में फेब्रिक का चुनाव साड़ी गाउन के लुक और मौसम को ध्यान में रखकर किया जा सकता है. वैसे फ्लो वाले फैब्रिक से बना साड़ी गाउन सबसे खूबसूरत नजर आता है. इसके साथ ही ब्लाउज के लिए ट्रांसपैरेंट फैब्रिक का सिलेक्शन भी साड़ी गाउन को आकर्षक लुक देता है.

FASHION जोन

लंबे बालों को कराते रहें ट्रिम

HAIR केयर

किसी के भी लंबे, काले और घने बाल देखने में दूसरों को खूबसूरत लगते हैं लेकिन लंबे बाल रखने वाली महिलाओं को उसकी देखभाल करने में उतनी ही ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है. लंबे बालों की देखभाल भी जरूरी है. क्योंकि अगर उनकी देखभाल में थोड़ी सी भी असावधानी बरती जाती है तो बाल झड़ने लगते हैं या सफेद होने लगते हैं और अगर एक बार बाल खराब होना शुरू हो जाते हैं तो उन्हें संभालना भी मुश्किल होता है.

★ लंबे बालों में कंघी के लिए ऐसे ब्रश का इस्तेमाल करें जो खासतौर पर लंबे बालों के लिए ही बने होते हैं. ब्रश के ब्रिसल्स नर्म होने चाहिए.

★ बालों को ब्रश करने के लिए आगे की ओर झुके बालों को नीचे की ओर करके खड़े हो जाएं, उसके बाद गर्दन से नीचे की ओर ब्रश करें. फिर सीधे खड़े होकर अंदर की ओर से नीचे की दिशा में ब्रश करें और फिर बालों को ऊपर की ओर से कंघी करें. अंत में थोड़े-थोड़े बालों को लेकर अच्छी तरह कंघी करें.

★ कभी भी गीले बालों में कंघी न करें क्योंकि गीले होने पर बाल जड़ों से कमजोर होते हैं और अगर उनमें उस समय कंघी की जाए तो बालों के ज्यादा टूटने का खतरा रहता है.

★ लंबे बालों को सुखाने के लिए ड्रायर की बजाय उन्हें प्राकृतिक हवा में सुखाएं.

★ बालों को शैम्पू करने से पहले कंडीशनर लगाएं, उसके बाद शैम्पू करें.

★ लंबे बालों के लिए हर्बल शैम्पू का प्रयोग करें. बाल धोने के दौरान सूखे बालों पर सीधे हाथों में शैम्पू लेकर न लगाएं क्योंकि इससे सीधा शैम्पू के केमिकल्स बालों पर अपना प्रहार कर सकते हैं. शैम्पू को पहले थोड़े से पानी में घोल लें, उसके बाद इन्हें लगाएं ताकि शैम्पू बालों की जड़ों तक आसानी से पहुंच जाए और बालों पर इसका कोई बुरा असर न पड़े.

★ शैम्पू करने के दौरान अपने स्कैल्प की भी मालिश साथ-साथ करें ताकि जड़ से बालों की सफाई हो सके.

★ धूप में घर से बाहर निकलने के दौरान बालों की सही केयर करने के लिए उन्हें ढककर रखें. इसके लिए हैट या स्कार्फ का इस्तेमाल करें.

★ लंबे बाल होने का यह मतलब नहीं कि उन्हें कभी कटाया ही न जाए. बालों को थोड़े-थोड़े अंतराल पर ट्रिम कराते रहें ताकि उनकी ग्रोथ अच्छी हो.

★ सोते समय बाल अटकते ज्यादा हैं और इससे बालों का स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है, इसलिए सोते समय भी बालों को इस पोजीशन में रखें कि यह ज्यादा न उलझें.

★ यदि आपको सोने के दौरान बार-बार करवट बदलने की आदत हो तो इससे बाल भी कंफर्टेबल फील नहीं करते, इसलिए सोने के दौरान तकिये का कवर कॉटन या साटन का होना चाहिए ताकि बाल उन पर आसानी से फिसलते रहें.

★ लंबे बालों को सोते समय रबड़ से बांधकर न सोएं. उसकी बजाय पॉनीटेल बनाकर सोएं. बालों को यदि बांधना चाहें तो कपड़े की बैंड का इस्तेमाल करें.

★ रात को सोने के दौरान बालों को चोटी बनाकर सोएं, अगर उन्हें खोलकर रखती हैं तो उनके उलझने का खतरा होता है. अगर बाल उलझ जाएं तो सुबह तुरंत उठते ही जल्दी-जल्दी उनकी कंघी न करें. धीरे-धीरे अंगुलियों की मदद से बालों को सुलझाना शुरू करें, थोड़ी देर में बाल काफी हद तक सुलझ जाते हैं.

SMART जोन

टेंपल और पर्ल ज्वैलरी

इसलिए टेंपल ज्वेलरी हमेशा डिमांड में रहती है. यह लहंगा चोली और साड़ी ही नहीं, बल्कि इंडोवेस्टर्न वियर पर भी काफी सूट करती है यानी एक बार खरीदकर आप इसे कई बार पहन सकते हैं. अगर आप लाइट या पेस्टल शेड की ड्रेस पहन रहे हैं, तो पर्ल ज्वेलरी को अपनी पहली पसंद बना सकते हैं. लाइट आउटफिट के साथ लाइट वेट पर्ल ज्वेलरी आपको रॉयल लुक देगी. व्हाइट और यलो के साथ कलरफुल पर्ल का चुनाव भी कर सकते हैं.

फंक्शनल ज्वेलरी का चुनाव करना आसान नहीं होता. इस खास मौके पर रोजाना की तरह सिर्फ इयररिंग या नेकपीस पहनकर आप काम नहीं चला सकते. इसके अलावा लेटेस्ट ट्रेंड का भी ध्यान रखना पड़ता है.

पोल्की

- पोल्की ज्वेलरी शादी-ब्याह के मौके के लिए सबसे ज्यादा पसंद की जाती है. अनकट डायमंड से बनी यह ज्वेलरी लहंगा चोली के साथ ही साड़ी पर भी काफी खूबसूरत नजर आती है. पोल्की ज्वेलरी से बना चोकर काफी आकर्षक लुक देता है.

कुंदन

- कुंदन ज्वेलरी का भी एक अलग चार्म है. पोल्की ज्वेलरी के बाद इंडियन वेडिंग वियर के साथ ज्यादातर कुंदन ज्वेलरी पहनना पसंद किया जाता है. कुंदन ज्वेलरी हर ट्रेडिशनल वियर पर सूट करती है.

स्टोन

- सस्ती मगर अच्छी और एक ही नजर में दिल मोह लेने वाली स्टोन वेडिंग ज्वेलरी भी काफी आकर्षक नजर आती है.

डायमंड

- रिच लुक के लिए खास मौकों पर डायमंड ज्वेलरी पहन सकते हैं. यह जरूरी नहीं कि आप असली डायमंड ही पहनें, मार्केट में असली डायमंड की तरह दिखने वाली आर्टिफिशियल डायमंड ज्वेलरी भी उपलब्ध है. चाहें तो ये भी खरीद सकते हैं.

दीवारों से नहीं हटेगी नज़र

INTERIOR जोन

वर्डिंग्स में संभव

वर्टिकल गार्डन को किसी भी डिजाइन में बनाया जा सकता है. ऐसे में वर्डिंग शेप कैसे पीछे रह सकती है. आप अपने घर को कुछ स्पेशल मैसेज के साथ भी मॉस से सजा सकते हैं. शब्दों के आकार में कटे बॉक्स में मॉस उगाई जा सकती है और उनसे वॉल को सजाया जा सकता है. यही नहीं, आप घर के बाहर की नेम प्लेट को भी मॉस से सजा सकते हैं.

मॉस पेंटिंग

न्यू ट्रेंड पर गौर करें तो मॉस वॉल पेंटिंग भी सामने आई है. इस पैटर्न के तहत छोटे-छोटे बॉक्सेज में मॉस उगाई जाती हैं, जिसे बाद में पेंटिंग की तरह दीवार पर सजाते हैं. कंटेम्परेरी इंटीरियर थीम में इस तरह के डिजाइनर पीस बहुत पसंद किए जाते हैं. आप भी अपने घर की दीवारों के अनुसार इन्हें क्रिएट करवा सकते हैं.

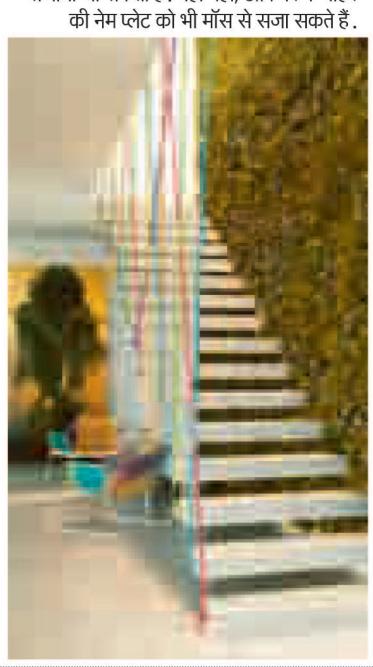

वॉशरूम की बढ़ाएं रौनक

मॉडर्न होम थीम में वॉशरूम के इंटीरियर पर काफी ध्यान दिया जाने लगा है. इसके चलते वहां की वॉल्स पर भी विशेष डेकोरेशन किया जा रहा है. इसके जरिए वॉशरूम को नेचर से जोड़ा जा सकता है. एक टेक्निक के साथ वॉल्स पर मॉस उगाई जाती है. यही नहीं, मॉस के अलावा दूसरे इनडोर प्लांट्स भी उगाए जा सकते हैं.

प्लास्टिक ब्लॉक्स में प्लांटिंग

दीवार पर छोटे-छोटे प्लास्टिक ब्लॉक्स बनाकर भी प्लांट लगाए जा सकते हैं. दीवार पर लगाए गए इस तरह के प्लांट न सिर्फ आपके रूम की शोभा बढ़ाएंगे, बल्कि घर में हरियाली की रौनक भी बिखेरेंगे. इन ब्लॉक्स में आप अपनी पसंद के प्लांट्स लगा सकते हैं. इस तरह की प्लांटिंग लिविंग रूम के साथ-साथ बालकनी और पोर्च एरिया में भी अच्छी लगती है.

यदि आप इंटीरियर को कुछ खास लुक देना चाहते हैं तो मॉस वॉल से घर को सजा सकते हैं. इंडिया में मॉस वॉल को लेकर कई एक्सपेरिमेंट देखे जा रहे हैं. यह हर रूम और लोकेशन के हिसाब से बनाई जा सकती है. इसके जरिए आउटडोर के साथ-साथ इनडोर ब्यूटी भी बढ़ाई जा सकती है.

सेंट्रल वॉल को करें डेकोरेट

लिविंग रूम या फिर दूसरे रूम की सेंट्रल वॉल को भी वर्टिकल गार्डन से सजा सकते हैं. डिफरेंट तरह की मॉस को वॉल पर उगाया जा सकता है. उसे क्रिएटिव बनाने के लिए कुछ खास शेप भी दी जाती हैं, जो दिखने में प्रभावी नजर आती है. यहीं नहीं, आप पुरानी बॉटल्स के जरिए भी वर्टिकल बना सकते हैं.

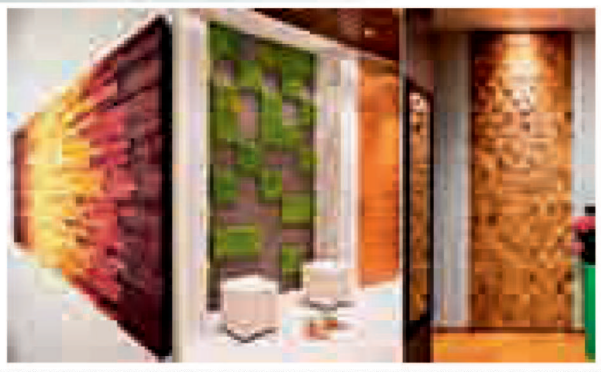

छूमंतर हो जाएगा कब्ज़

HEALTH जोन

फास्ट फूड का ज्यादा सेवन, लगातार बैठे रहने और कम फाइबरयुक्त भोजन खाने की वजह से आजकल अधिकांश लोगों को कब्ज की शिकायत होती है. बच्चे भी इसका शिकार होते हैं. कब्ज होने पर शरीर में दिनभर सुस्ती छाई रहती है. इसकी वजह से जी घबराना, उल्टी होना, सिरदर्द जैसे लक्षण होने लगते हैं. पाचन अच्छा हो और पेट साफ होता रहे तो खाया-पिया ठीक से हजम होता है और शरीर को आहार से भी लाभ होता है. लेकिन कब्ज हो तो सब गड़बड़ हो जाता है. कब्ज यदि लगातार बनी रहे तो शरीर में टॉक्सिंस फैलाता है, जिससे कई रोग होते हैं. कब्ज से बचाव करने का सबसे पहला उपाय है, सुबह और शाम के समय फ्रेश होना. बच्चों को भी शुरू से ही सुबह और शाम दोनों समय फ्रेश होने की आदत डालनी चाहिए.

▲ सुबह उठकर एक-दो गिलास पानी पीना चाहिए. पानी में एक नींबू का रस मिला लें तो और भी उपयोगी रहेगा.

▲ आंवला चूर्ण एक छोटा चम्मच रात में सोते समय पानी या दूध के साथ फांकने से कब्ज दूर होती है. आंवला चूर्ण को शहद के साथ भी ले सकते हैं.

▲ सूखा आंवला 3-4 ग्राम रात को पानी में भिगो दें. सुबह मसलकर व छानकर इसका पानी पीने से कब्ज की शिकायत दूर हो जाती है.

▲ ठंडे खाने और ठंडे पेय पदार्थों की बजाय गर्म का सेवन करें. गर्म खाना खाएं. खाने के साथ गर्म पानी पीएं और हरी सब्जियां जमकर खाएं.

▲ पका पपीता, संतरा, चीकू, अनार, अमरूद और मौसमी जैसे जल्दी पचने वाले फल खाएं.

▲ फल का सेवन सुबह के समय खाली पेट करें. कच्चे की बजाय हमेशा पका केला खाएं, क्योंकि कच्चे केले से कब्ज बढ़ सकती है.

▲ सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीएं, इससे कब्ज दूर होती है.

▲ फाइबरयुक्त आहार लें, ताजे फल और सब्जियां कब्ज दूर करती हैं.

▲ कब्ज के लिए सोते समय हल्के गर्म दूध में अरंडी का तेल मिलाकर ले सकते हैं.

▲ इसबगोल की भूसी कब्ज के लिए फायदेमंद मानी जाती है. रात को सोते समय इसे दूध या पानी के साथ लिया जाए तो इससे कब्ज की समस्या समाप्त हो जाती है. नियमित व्यायाम करें और तला-भुना भोजन न खाएं.

आखिर बच्चों को गुस्सा क्यों आता है

PARENTING जोन

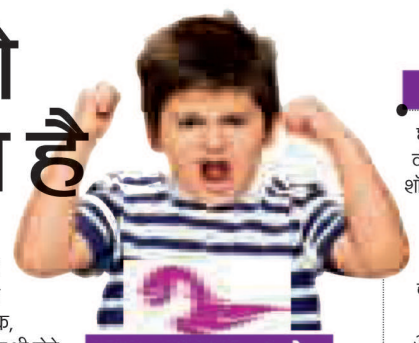

आजकल के बच्चे स्कूल, ट्यूशन और मां के स्कूल को एकसाथ 'अटेंड' करते हैं. नींद कम लेते हैं, उनके खाने की सूची ठीक नहीं होती. इससे 'शुगर' कम हो जाती है जिससे गुस्सा आता है. उन्हें पढ़ाई अच्छी नहीं लगती. उनमें चिड़चिड़ापन आ जाता है. अपनी बात को प्रकट करने के लिए वे उतेजित हो जाते हैं. एस्थेमेटिक, एपिलेप्सी, डायबिटीज वाले बच्चों को गुस्सा अधिक आता है. वे डिप्रेशन के शिकार भी होते हैं. इसके अलावा अगर बच्चा कम नंबर लाए, फेल हो जाए या स्कूल में उसे किसी प्रकार के अपमान का सामना करना पड़े या शिक्षकों का व्यवहार ठीक न हो तो वह गुस्से के रूप में उसे बाहर निकालता है. इसलिए बच्चा जब चिड़चिड़ा हो गया हो, पढ़ाई पर ध्यान न दे रहा हो, बात-बात पर गुस्सा कर रहा हो, शांत रहने लगे, पहले जैसा व्यवहार न कर रहा हो या अचानक व्यवहार में बदलाव आ गया हो, वह बहुत अधिक सो रहा हो या उसे नींद नहीं आती हो, उसे भूख न लगे, दिनोंदिन उसका वजन कम होने लगे, दूसरे बच्चों से मारपीट करने लगे या फिर आक्रोश को अधिक देर तक मन में बनाए रखता हो तो ऐसे में डाक्टर की सलाह अवश्य लें.

यूं करें कंट्रोल

- जो माता-पिता बच्चों की बात सुनते हैं, उन बच्चों को गुस्सा कम आता है.
- जो बच्चे खेलकूद में भाग लेते हैं, वे शांत होते हैं.
- जिन बच्चों की नींद पूरी होती है, उनमें गुस्सा कम होता है.
- व्यायाम या आंसू के निकलने से गुस्सा कम हो जाता है.
- बच्चे के मानसिक और शारीरिक बदलाव को माता-पिता समझेंगे तो उन्हें उन पर विश्वास हो सकेगा, वे उग्र नहीं बनेंगे.

बढ़ाएं नजदीकियां

माता-पिता अपने बचपन को कभी अपने बच्चों से तुलना न करें. बच्चों पर विश्वास करना भी जरूरी है. बच्चों के आक्रोश को कम करने के लिए माता-पिता, दोस्त साथ मिलकर काम करेंगे तो परिणाम जल्दी मिलेगा. गुस्सा होने पर बच्चा केवल 'बैड' नहीं, 'सैड' भी हो सकता है. कोई बच्चा क्रिमिनल नहीं होता. बच्चे की मानसिक ताकत को बढ़ाने की आवश्यकता है. उनसे भावनात्मक संपर्क रखें ताकि वे किसी बुरी बात को भी बोलने की हिम्मत रखें. बच्चा अगर कुछ गलत करे तो डांटने के बजाय उसे करीब लाएं, गले लगाएं. अपने से दूर न करें. किसी भी गलत काम को खानदान का कलंक समझने के बजाय उससे बच्चे को निकालने की तरकीब सोचें. बच्चे में गुस्से की अधिकता की वजह कई बार माता-पिता भी होते हैं जो जाने-अनजाने में बच्चे की किसी भी इच्छा को तुरंत पूरी कर देते हैं. उन्हें रोने दें. उन्हें लगना चाहिए कि हर चीज जिसे वे मांगते हैं, उसके लिए धैर्य भी रखने की जरूरत है.

MONEY मैटर

ऑनलाइन शॉपिंग के साइड इफेक्ट्स

घर बैठे लैपटॉप, मोबाइल या फिर कंप्यूटर पर आराम से ऑनलाइन शॉपिंग करना जितना सुविधाजनक व आसान है, वहीं इसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी हैं, इसलिए शॉपिंग करते समय सावधानी बरतने की जरूरत होती है. अगर कोई सामान ऑनलाइन लिया हो और उसमें कोई त्रुटि हो तो ग्राहक तुरंत सेलर को पकड़ ही नहीं सकते क्योंकि वेबसाइट को इसकी कोई जानकारी नहीं होती. कई बार काफी कोशिशों के बाद भी वेबसाइट से कोई जवाब नहीं मिलता. ऐसे में प्रोडक्ट स्वीकारने के अलावा दूसरा रास्ता नहीं होता. इसलिए ऑनलाइन शॉपिंग के लिए काफी सचेत रहना चाहिए. एक महत्त्वपूर्ण बात जान लेनी चाहिए कि ग्राहकों की शिकायत के लिए 'कंज्यूमर ग्रीविएंसेज बॉडी' है. यह उन ग्राहकों के लिए काम करती है जिन्हें अपना प्रोडक्ट मनमुताबिक नहीं मिलता है. हमें ग्राहकों के अधिकारों के बारे में जानकारी होनी चाहिए. भारत में 'जागो ग्राहक जागो' के नाम से कैंपेन भी चलाया गया था. भारत की तरह ग्राहक सेवा का विकसित देशों में भी बहुत अधिक महत्त्व है जहां हर शिकायत गंभीरतापूर्वक ली जाती है और लोग अपने अधिकारों के प्रति बहुत जागरूक हैं.

खरीदारी से पहले पोर्टल्स देखें

आजकल कई ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल्स हैं. खरीदारी से पहले इनके बारे में पूरी जानकारी लेनी चाहिए, जिससे वही चीज मिल जाए जिसके लिए पेमेंट किया है. आजकल ऑनलाइन शॉपिंग में सबको सुविधा दिखती है. पर भले ही आप पागल कर देने वाली भीड़ से दूर हैं, इसका मतलब यह नहीं कि किसी की भेदती नजरें आप पर नहीं हैं या आपकी मेहनत की कमाई पूर्णतः सुरक्षित है.

बेफिक्री नहीं चलेगी

ऑनलाइन शॉपिंग करते समय कभी बेफिक्री की अवस्था में न रहें. अपने पैसे की सुरक्षा करना जानें. यदि आप वेबसाइट पर कुछ खरीदने में सहज नहीं हैं या आप पर ऑर्डर उसी समय देने के लिए प्रेशर दिया जा रहा हो तो संभल जाएं. इससे पहले कि आप अपने पेमेंट की जानकारी दें, चेक कर लें कि सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर ठीक है या नहीं. अच्छी कंपनियां स्पष्ट बताती हैं कि कैसे वे आपसे डेटा लेंगी और क्या करेंगी. अब कई वेबसील अप्रूवल या ट्रस्ट मार्क प्रोग्राम होते हैं जो आपकी जानकारी पर दिशानिर्देश देते हैं.

पर्सनल जानकारी देने से बचें

ऑनलाइन शॉपिंग के लिए क्रेडिट कार्ड ज्यादा सुरक्षित होते हैं, डेबिट कार्ड प्रयोग करने में नुकसान होने का डर रहता है.

व्यक्तिगत जानकारी लेने वाले प्रश्नों से सावधान रहें. विश्वसनीय ऑनलाइन रिटेलर कभी भी अनावश्यक, व्यक्तिगत या आर्थिक जानकारी नहीं लेगा. आजकल स्मार्टफोन कंप्यूटर की तरह सब कुछ कर सकते हैं, इसका मतलब यह नहीं कि वे आपके डेस्कटॉप की तरह सुरक्षित हैं. अधिकतर फोन में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर नहीं होता है जो आपके कंप्यूटर में होता है. इसलिए अपराधियों के लिए आपके फोन से आपकी जानकारी लेना आसान होता है.

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

07

जयपुर, गुरुवार, 14 जुलाई, 2022

एक नज़र

भाजपा के साथ आए उद्धव ठाकरे

शिवसेना प्रमुख राष्ट्रपति चुनाव में NDA कैंडिडेट का समर्थन करेंगे

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना राष्ट्रपति चुनाव में NDA उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेगी। खुद उद्धव ठाकरे ने इसका ऐलान किया है। उम्मीदवार के समर्थन को लेकर ठाकरे ने सोमवार को एक मीटिंग की थी। मीटिंग में शामिल शिवसेना सांसदों ने मुर्मू का समर्थन करने की मांग की थी। मीटिंग में मुर्मू के अलावा विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के नाम पर भी चर्चा हुई।

वहीं, शिवसेना सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मू के नाम पर चर्चा हुई और मुर्मू के समर्थन का मतलब भाजपा का समर्थन नहीं है। बता दें कि मुर्मू आदिवासी समुदाय से आती हैं और महाराष्ट्र की करीब 10% आबादी आदिवासी है। इसलिए यह फैक्टर उन्हें समर्थन की बड़ी वजह माना जा रहा है।

ठाकरे बोले- इस फैसले के लिए मुझ पर कोई दबाव नहीं था: ठाकरे ने कहा- यह देखते हुए कि एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनने का मौका मिला है, हमने द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फैसला किया है। मुझे पता है कि इसके बाद राजनीति शुरू होगी, लेकिन इसमें कोई राजनीति नहीं है। हमने पहले भी हमने क्क की उम्मीदवार प्रतिभा पाटिल का समर्थन किया था।

ठाकरे ने आगे कहा कि इस फैसले के लिए मुझ पर कोई दबाव नहीं था, न हीं हमने इसमें कोई पॉलिटिकल एंगल तलाशा है। यह प्रचार किया जा रहा है कि मेरे सांसदों ने मुझ पर दबाव डाला और मुझे जबरदस्ती फैसला लेना पड़ा। सांसदों ने कहा कि अब तक किसी को भी इस स्तर पर आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं दिया गया है। इसलिए हम सभी को द्रौपदी मुर्मू जी का समर्थन करना चाहिए।

अवमानना केस में माल्या को चार महीने कैद, 2000 जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सजा जरूरी, क्योंकि दोषी को पछतावा नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या को अवमानना मामले में चार महीने की जेल और 2000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। बेंच ने कहा, 'सजा जरूरी है क्योंकि माल्या को कोई पछतावा नहीं हैं।' जुर्माना न चुकाने पर 2 महीने की अतिरिक्त सजा होगी। माल्या को 4 हफ्ते के अंदर 8% ब्याज के साथ 40 मिलियन डॉलरवापस करने को भी कहा गया है। माल्या ने ये रकम अपने बच्चों के विदेशी अकाउंट में ट्रांसफर की थी। ऐसा न करने पर उसकी संपत्ति कुर्क की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस यू यू ललित, जस्टिस एस रविंद्र भट्ट और जस्टिस सुधांशु धूलिया वाली 3 जजों की बेंच ने ये फैसला सुनाया है।

माल्या ने पैसों की गलत जानकारी दी: माल्या ने न सिर्फ विदेशी खातों में पैसे ट्रांसफर करने को लेकर कोर्ट को गलत जानकारी दी, बल्कि पिछले 5 साल से कोर्ट में पेश न होकर अवमानना को और आगे बढ़ाया है। माल्या को 9 मई 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना का दोषी मानते हुए उसके खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी। कोर्ट ने 2020 में 2017 के फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली माल्या की याचिका को भी खारिज कर दिया था। इसके बाद 10 मार्च को माल्या की सजा पर फैसला सुरक्षित रखा था।

गहलोत सरकार की तारीफ में पायलट की एंट्री: गहलोत-पायलट मिलकर राजस्थान में सरकार रिपीट करेंगे ट्वीट के जरिए राहुल ने दिए संकेत

हिलव्यू समाचार

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने गहलोत सरकार के कामकाज की तारीफ करने के साथ पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट का फोटो लगाकर सियासी चर्चा छेड़ दी हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर मेडिकल के क्षेत्र में गहलोत सरकार के कामकाज को सराहा है। सरकार की तारीफ वाली पोस्ट में अशोक गहलोत के साथ सचिन पायलट का भी फोटो लगाया है। गहलोत सरकार की तारीफ में की गई पोस्ट के फोटो में पायलट की एंट्री को बदलते सियासी समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है।

राजनीतिक जानकार इसके जरिए दो तरह के मायने निकाल रहे हैं। सरकार की तारीफ में पायलट के फोटो के इस्तेमाल के पीछे आपसी खींचतान मिटाकर एकता दिखाने के प्रयास से जोड़कर देखा जा रहा है। दूसरी तरफ राहुल गांधी ने सचिन पायलट को भी बराबर महत्व देने का मैसेज दिया है।

राहुल ने लिखा- राजस्थान से जो वादा किया वह निभाया: राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने जनता से किया अपना एक और वादा निभाया है। प्रदेश में चल रही निःशुल्क दवा योजना में 824 और दवाइयों को शामिल किया गया है। राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य बना जहां लगभग 1795 दवाइयां बिल्कुल

मुफ्त मिल रही हैं। इनमें से कई महंगी जीवनरक्षक दवाइयां भी मुफ्त मिलेगी, जिससे लाखों लोगों की जिंदगी बचेगी।

कांग्रेस सरकार, राजस्थान की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य जनता के जीवन को बेहतर बनाना है। सभी हॉस्पिटल में मुफ्त में अच्छा इलाज, जांच, दवाइयां उपलब्ध कराकर अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को कम करना हमारी प्राथमिकता है। कांग्रेस पार्टी ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जहां सब बराबर हो, सबको सामान अधिकार, अच्छा जीवन, अच्छी सुविधाएं मिलें, ताकि हमारा देश तरक्की कर सके।

संसद की नई बिल्डिंग पर 6.5 मीटर ऊंचा अशोक स्तंभ: कांसे की प्रतिमा का वजन 9500 KG, पीएम मोदी ने किया अनावरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन की छत पर अशोक स्तंभ की कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा 6.5 मीटर ऊंची और 9500 किलो वजन की है। इसे सपोर्ट करने के लिए स्टील का लगभग 6500 किलोग्राम वजनी सिस्टम भी बनाया गया है।

अशोक स्तंभ भारत का राष्ट्रीय प्रतीक है। इस दौरान उन्होंने नई संसद के काम में लगे वर्कर्स से बातचीत भी की। पीएम के साथ लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पूरी भी मौजूद थे। हाल ही में हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि सेंट्रल विस्टा एवेन्यू के रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत विजय चौक से इंडिया गेट तक का काम 18 जुलाई तक पूरा हो जाएगा।

बढ़ती जनसंख्या किसी धर्म की नहीं बल्कि पूरे देश की समस्या: मुख़्तार अब्बास नक़वी

नक़वी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व जनसंख्या दिवस पर लखनऊ में एक कार्यक्रम में यूपी की बढ़ती आबादी पर चिंता जताई थी

एजेंसी

नई दिल्ली। हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जनसंख्या विस्फोट को लेकर कहा था कि कहीं ऐसा ना हो कि किसी एक वर्ग की आबादी बढ़ने का प्रतिशत ज्यादा हो रहा हो। उनके इस बयान पर कई नेताओं द्वारा प्रतिक्रिया भी देखने को मिली। इसी कड़ी में अब भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि जनसंख्या विस्फोट को धर्म से जोड़ना जायज नहीं। यह पूरे देश की मुसीबत है।

दरअसल, भाजपा नेता और पूर्व अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को कहा कि जनसंख्या विस्फोट किसी विशेष धर्म की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे देश को परेशान करने वाला मुद्दा है। नकवी ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि कोई भी देश जनसंख्या विस्फोट की समस्या को नजरअंदाज या बर्दाश्त नहीं कर सकता है। जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए अधिकांश देशों द्वारा किए गए प्रभावी उपायों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

नकवी ने यह भी कहा कि कई जगहों पर लोगों ने बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए अपने प्रयासों में अपनी-अपनी सरकारों और प्रशासन का समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर रहमान बर्क की टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए नकवी ने कहा कि देश में जनसंख्या विस्फोट को कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता है। कुछ लोग असीमित समस्याएं पैदा करना चाहते हैं।

नकवी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व जनसंख्या दिवस पर लखनऊ में एक कार्यक्रम में यूपी की बढ़ती आबादी पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े लेकिन हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि जनसांख्यिकी असंतुलन पैदा न होने पाए। उन्होंने कहा कि ऐसा न हो कि किसी वर्ग की आबादी बढ़ने का प्रतिशत ज्यादा हो और जो मूल निवासी हैं, जागरूकता अभियान चलाकर उनकी जनसंख्या नियंत्रिण कर असंतुलन पैदा कर दिया जाए।

बता दें कि ऐसा माना जा रहा है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए की तरफ से मुख्तार अब्बास नकवी के नाम पर लगभग मुहर लग चुकी है। फिलहाल, पार्टी की तरफ से इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुआ है। उधर राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए ने द्रौपदी मुर्मू को मैदान में उतारा है। जबकि, विपक्षी दलों के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा हैं।

बोले सुरजेवाला... श्रीलंका की दिलाई याद 2014 में 56.51 लाख करोड़ था भारत पर कर्ज, अब है 139 लाख करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका की आर्थिक स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है और यह देश दिवालिया घोषित हो चुका है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पड़ोसी मुल्क में हालात इतने बुरे हो चुके हैं, कि महंगाई से परेशान जनता सड़कों पर उतर आई है और राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया है। वहीं, राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे अपना आवास छोड़कर भाग गए हैं। श्रीलंका के ऊपर कई देशों के अलावा आईएमएफ का भी कर्ज है। श्रीलंका के इस कर्ज का जिक्र

करती एक मीडिया रिपोर्ट को शेयर कर अब कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है।

कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया, 'साल 2014, देश पर क़र्ज़= 56.51 लाख करोड़, साल 2022, देश पर क़र्ज़= 139 लाख करोड़। सोचिये, समझिये, जानिये, सवाल पूछिये, नहीं तो श्रीलंका जैसे हालात हो जाएंगे।÷ कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा शेयर की गई मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 में श्रीलंका में कर्ज जीडीपी का 119 फीसदी हो गया था। जबकि 2019 में यह 94 फीसदी था। वहीं, इसमें आगे कहा है कि यह भारत के लिए भी चिंता का विषय है क्योंकि पिछले 8 सालों में केंद्र सरकार की देनदारियों में ढाई गुना इजाफा हुआ है जबकि कई राज्यों की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है। इसमें आगे कहा गया है कि आईएमएफ के डेटा के मुताबिक, भारत में कर्ज जीडीपी का 90.6 फीसदी तक पहुंच गया है।

नए संसद भवन के अशोक स्तंभ पर विवाद: विपक्ष बोला

राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न में शेर बदले गए, इन्हें आक्रामक और क्रूर दिखाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने 11 जुलाई को नए संसद भवन की छत पर लगे राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ का उद्घाटन किया था। अब विपक्ष ने स्तंभ की संरचना में छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कई विपक्षी नेताओं का आरोप है कि राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न के चार शेरों की संरचना में फेरबदल कर संविधान का उल्लंघन किया गया है।

विपक्ष का आरोप है कि अशोक स्तंभ के शेरों को क्रूर और आक्रामक बनाया गया है। इसके लिए शेरों के मुख को और खुला दिखाया गया है, जबकि सारनाथ म्यूजियम में रखे मूल स्वरूप वाले अशोक स्तंभ में शेरों का मुंह उतना खुला नहीं है। हालांकि केंद्र सरकार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। वहीं, इस स्तंभ को बनाने की

प्रक्रिया में शामिल सुनील देवरे ने बताया है कि हमने किसी के कहने पर कोई बदलाव नहीं किया है। यह सारनाथ में मौजूद स्तंभ का ही कॉपी है। सुनील ने स्तंभ के लिए क्ले और थर्मोकोल मॉडल तैयार किया था।

TMC सांसदों ने कहा- शेर आक्रामक और बेडौल: तृणमूल कांग्रेस के सांसद जवाहर सरकार और महुआ मोइत्रा ने अशोक स्तंभ के शेरों को उचित ढंग से नहीं दिखाने का आरोप लगाया है। सरकार और मोइत्रा का आरोप है कि इस अशोक स्तंभ के शेरों को 'आक्रामक' और 'बेडौल' तरीके से दिखाया गया है।

मोइत्रा ने अपने ट्वीट में कहा कि सत्यमेव जयते से सिंघमेव जयते में परिवर्तन का प्रयास किया गया है।

राज्यसभा सांसद सरकार ने ट्विटर पर लिखा- हमारे राष्ट्रीय प्रतीक, राजसी अशोक शेरों का अपमान। असली बाईं ओर है, सुंदर, वास्तविक रूप से आत्मविश्वासी। दाईं ओर वाला मोदी का वर्जन है, जिसे नए संसद भवन के ऊपर लगाया गया है - झुंझलाहट, अनावश्यक रूप से आक्रामक और बेडौल। शर्म करो! इसे तुरंत बदलो!

राजद ने कहा- नए प्रतीक चिह्न में आदमखोर प्रवृत्ति: राष्ट्रीय जनता दल ने ट्वीट किया कि राष्ट्रीय प्रतीक में शेरों के चेहरे पर सौम्यता का भाव दिखाई देता है, जबकि नए प्रतीक चिह्न में आदमखोर प्रवृत्ति दिखाई देती है। ऋष्ठ ने कहा कि अमृत काल में बने नकल के चेहरे पर इंसान, पुरखों और देश का सबकुछ निगल जाने का भाव दिखाई दे रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा- सुंदरता देखने के नजरिए पर निर्भर करता है: केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि सुंदरता देखने वाले की आंखों में होती है। सारनाथ का मूल प्रतीक चिन्ह 1.6 मीटर ऊंचा है जबकि नए संसद भवन के शीर्ष पर मौजूद प्रतीक की उंचाई 6.5 मीटर है। अगर मूल स्तंभ की सटीक प्रतिकृति नई बिल्डिंग पर रखी जाती, तो यह मुश्किल से ही दिखाई देती।

जब बीजेपी और कांग्रेस गले मिले...

जेपी नड्डा ने कैसे की जयराम रमेश की मदद!

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस शुरुआत से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं। दोनों दलों के नेता अक्सर एक-दूसरे पर जमकर हमले करते हैं। कई बार तो इसमें सारी हदें पार हो जाती हैं। हालांकि, शुक्रवार को कुछ ऐसा हुआ जो इसके बिल्कुल उलट था। बीजेपी और कांग्रेस के दो शीर्ष नेता आपस में गले मिले। मौका था राज्यसभा के नए सदस्यों के शपथ ग्रहण का। इस दौरान बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कद्दावर कांग्रेस नेता जयराम रमेश की बैग उठाने में मदद की। फिर उन्हें प्यार से गले लगा लिया। दोनों पार्टियों की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के बीच इस तरह की तस्वीरें शायद ही कभी दिखती हैं। राज्यसभा के लिए निर्वाचित 27 सदस्यों ने शुक्रवार को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली।

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

08

जयपुर, गुरुवार, 14 जुलाई, 2022

कविता गुरु

सभी देशवासियों को हिलव्यू समाचार की ओर से गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

ज्ञानवती सक्सैना
'ज्ञान' जयपुर

जिसने इंसान बनाया
गोदी में दुबका कर माँ ने
सही ग़लत समझाया
पापा ने बैठा कँधे पे
कभी डाँटा,कभी दुलराया
जाने अनजाने बातों में
संस्कार का बीज संगलाया
मीठे सपने बुन के माँ ने
मुझे शाला में पहुँचाया
गीली माटी पा गुरुओं ने
अक्षर दीप जलाया
उज्ज्वल केरियर का यही रास्ता
मुझे सारा सच समझाया
सपनों ने भी ली अंगड़ाई
मुझमें विश्वास जगाया
गुरुओं ने की खूब सिंचाई
और कभी स्नेह लुटाया
मन आलोकित कर मेरा
कुछ विवेकवान बनाया
जीवन सारा सच समझा
मेरा जीवन सरल बनाया
पथ प्रदर्शक बन कर मेरा पथ सुगम दिखलाया
इस अनगढ़ पत्थर को गुरु ने
घड़ घड़ इंसान बनाया
कैसे भूलूँ उपकार गुरु का जिसने इंसान बनाया
गुरु का ऋणी आजन्म रहूँगा
जिसने इंसान बनाया
जो भी मैंने अनुभूत किया सारा सच सच बतलाया।

एक नज़र

कन्हैया के दोनों बेटों को भी सरकारी नौकरी के आदेश

लिपिक के पद पर 1 महीने में ज्वॉइन करना होगा, सदर समेत 4 को पूछताछ के बाद छोड़ा

हिलव्यू समाचार

सिद्दकी के घर को करीब 4 घंटे तक बारीकी से चेक किया गया।

उदयपुर। उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में 4 दिन बाद एनआईए की टीमें फिर एक्टिव मोड आई। 2 टीमों ने मंगलवार को अलग-अलग 9 जगहों पर कई लोगों से पूछताछ की। इसके बाद उदयपुर के अंजुमन सदर समेत 4 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। सदर के घर को 4 घंटे तक बारीकी से चेक किया गया। इसके बाद एनआईए ने पूछताछ के लिए बुधवार को जयपुर बुलाया है। उधर, कन्हैयालाल के दोनों बेटों को सरकारी नौकरी के आदेश भी जारी कर दिए है। यश और तरूण साहू को लिपिक के पद पर 1 महीने में ज्वॉइन करना होगा।

एनआईए की टीम सुबह 5 बजे मुखर्जी चौक में अंजुमन सदर मुजीब सिद्दकी के घर पहुंची। तब सिद्दकी और उनकी पत्नी नमाज पढ़ रहे थे। टीम ने एक घंटे तक इंतजार किया। इसके बाद सिद्दकी के घर को पूरी तरह चेक किया। 5 कमरों की सर्चिंग के बाद टीम 11:45 बजे उसे लेकर रवाना हो गई। मुजीब की पत्नी समीना सिद्दकी ने बताया कि एनआईए टीम ने उन्हें एक लिखित कागज भी पढ़कर सुनाया। उन्होंने सर्चिंग में कुछ नहीं मिलने की बात बताई थी। शाम को सदर समेत सभी लोग अपने अपने घर आ गए। समीना सिद्दकी कांग्रेस से पार्षद रह चुकी है। मुजीब सिद्दकी कांग्रेस के ए ब्लॉक के अध्यक्ष रह चुके है।

दरअसल मुजीब सिद्दकी पिछले 3 सालों से उदयपुर अंजुमन के सदर है। पांच सालों के सदर बनाए गए है।

मुजीब सिद्दकी के अलावा उमर फारूख और 2 अन्य को बुलाया गया था। वहीं अंजुमन के पूर्व सदर को भी एनआईए टीम ने बुलाया। बताया जा रहा है कि रियाज, गौस और अन्य आरोपियों की कॉल डिटेल के साथ 20 जून को उदयपुर में हुए जुलुस के आयोजन में भी इनका नाम सामने आया। इसी के चलते उन्हें पूछताछ के लिए उन्हें पुलिस लाइन ले जाया गया। उनसे मुस्लिम समाज के जुलूस के बारे में सवाल पूछे गए। बुधवार को सभी को जयपुर में बुलाया गया है।

राष्ट्रपति चुनाव : यशवंत सिन्हा 56 इंची सीना चौड़ा कर राजस्थान में मीडिया से हुए मुख़ातिब और द्रोपदी मुर्मू मीडिया के समक्ष रहीं मौन!

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। मानसून की तरह ही राष्ट्रपति चुनाव की लहर भी राजस्थान को भिगोकर चली गयी। जहाँ एक ओर यशवंत सिन्हा एमएलए एमपी की बैठक के बाद बड़ी तल्लीनता से मीडिया से मुख़ातिब हुए और अपनी बात कहने के बाद मीडिया के प्रश्नों के भी उत्तर दिए वहीं दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू मीडिया कॉन्फ्रेंस तो दूर की बात मीडिया से मुख़ातिब भी नहीं हुईं। भाजपा नेताओं के घेरे में घिरी क्लार्क आमेर पहुँची और एमएलए एमपी बैठक के तुरंत बाद रवाना हो गईं। आख़िर मीडिया से रूबरू न होने की क्या वजह रही देर तक कयासों का सिलसिला रहा।

राजनीति का शानदार सफर तय करने वाली द्रोपदी मुर्मू राजस्थान में मीडिया के सामने मौन क्यों रहीं?

1997 में राइरंगपुर नगर पंचायत पार्षद पद से राजनैतिक जीवन की शुरुआत करने वाली मुर्मू आज राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार होने तक का सफर तय कर रहीं हैं परिणाम चाहे जो भी रहें लेकिन स्त्री शक्ति की मिसाल बनीं द्रोपदी मुर्मू को मीडिया से रूबरू अवश्य होना चाहिए था। उन्होंने भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है। साथ ही वह भाजपा की आदिवासी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य भी रहीं है। द्रौपदी मुर्मू ओडिशा के मयूरभंज जिले की रायरंगपुर सीट से 2000 और 2009 में भाजपा के टिकट पर दो बार जीती और विधायक बनीं। ओडिशा में नवीन पटनायक के बीजू जनता दल और भाजपा गठबंधन की सरकार में द्रौपदी मुर्मू को 2000 और 2004 के बीच वाणिज्य, परिवहन और बाद में मत्स्य और पशु संसाधन विभाग में मंत्री भी बनीं। मई 2015 में झारखंड की 9वीं राज्यपाल बनाई गई झारखंड की पहली महिला राज्यपाल बनने का खिताब भी द्रौपदी मुर्मू के नाम रहा। साथ ही वह किसी भी भारतीय राज्य की राज्यपाल बनने वाली पहली आदिवासी महिला भी हैं। 24 जून 2022 को पीएम मोदी के नेतृत्व में आपने राष्ट्रपति पद का नामांकन भरा जिसमें स्वयं मोदी प्रस्तावक और राजनाथ सिंह अनुमोदक बने। इतने शानदार सफर को तय करने वाली मुर्मू का मीडिया से मुख़ातिब न होना कई प्रश्न पीछे छोड़ गया है।

यशवंत सिन्हा ने 56 इंची सीना तानकर किया मीडिया के हर प्रश्न का सामना

हर प्रश्न हर विषय पर जमकर बोले कहीं गुस्सा कहीं अफ़सोस कहीं दर्द झलका लेकिन मीडिया से मुख़ातिब अवश्य हुए कांग्रेस प्रत्याशी यशवंत सिन्हा।

कांग्रेस के विधायकों को संबोधित करते हुए यशवंत सिन्हा ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पर भी तंज कसा। विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा सोमवार को राजस्थान पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा, 'हम केवल एक राजनीतिक दल से नहीं लड़ रहे हैं। हम सरकार की उन एजेंसियों से भी लड़ रहे हैं, जो लोगों को परेशान करने के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। इसलिए लड़ाई ईडी,सीबीआई और इनकम टैक्स,जीएसटी से है। मैं नहीं जानता हूँ कि इस चुनाव के बाद मेरा क्या हश्र होगा बस मैं इतना कह सकता हूँ कि मैं अगर राष्ट्रपति का चुनाव जीता तो शपथ लेते ही सरकार की ओर से एजेंसियों का जो दुरुपयोग हो रहा है,वह रोक दूँगा इसके लिए किस अधिकार का प्रयोग करूँगा अभी नहीं बता सकता लेकिन रोकूँगा ज़रूर और इनका दुरुपयोग नहीं होने दूंगा।'

साथ ही 'मैं पीएम को बुलाकर कहूँगा कि देश के ज्वलंत मुद्दों पर खामोशी ठीक नहीं है, इन मुद्दों पर बोलिए।'

मीडिया के प्रश्नों में कन्हैयालाल मर्डर केस का भी जवाब उन्होंने दिया और राजस्थान सम्बंधित जवाबों के लिए माईक का रूख़ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तरफ़ मोड़ दिया।

यशवंत सिन्हा पूर्व नौकरशाह हैं, जो बाद में राजनेता बन गए। उन्होंने काफी लंबे वक्त तक भारतीय जनता पार्टी के साथ काम किया। इस दौरान वो दो बार (1990-91 और 1998-2004) केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बने। सिन्हा ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत 1984 में चंद्रशेखर के नेतृत्व में जनता पार्टी से की। बाद में वो बीजेपी में शामिल हुए, लेकिन नाराजगी की वजह से वो 2021 में तृणमूल कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। अब उन्हें कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है।

मुर्मू और सिन्हा को मिले समर्थन पर एक नज़र

एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को अब तक भाजपा के अलावा बीजेडी, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, जनता दल सेक्युलर, शिवसेना, शिरोमणि अकाली दल, जेडीयू, एआईएडीएमके, लोक जन शक्ति पार्टी, अपना दल (सोनेलाल), निषाद पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले), एनपीपी, एनपीएफ, एमएनएफ, एनडीपीपी, एसकेएम, एजीपी, पीएमके, एआईएनआर कांग्रेस, जननायक जनता पार्टी, यूडीपी, आईपीएफटी, यूपीपीएल जैसी पार्टियों ने समर्थन दे दिया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में सपा गठबंधन में शामिल ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी भी द्रौपदी मुर्मू का समर्थन कर सकती है। समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल सिंह यादव ने भी मुर्मू के पक्ष में ही वोट डालने का एलान किया है। रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का जनसत्ता दल लोकत्रांत्रिक भी एनडीए प्रत्याशी को सपोर्ट कर रहा है। विपक्ष में होने के बाद भी बीजेडी, वाईएसआर कांग्रेस, जनता दल सेक्युलर, अकाली दल, टीडीपी और बहुजन समाज पार्टी ने एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन दिया है। इन सभी के पास 6.70 लाख वैल्यू से ज्यादा के वोट हैं। संभवतया ये आंकड़ा जीतने के लिए जरूरी संख्या से काफी ज्यादा है। दूसरी ओर यशवंत सिन्हा को अब तक कांग्रेस, एनसीपी, टीएमसी, सीपीआई, सीपीआई (एम) समाजवादी पार्टी, रालोद, आरएसपी, टीआरएस, डीएमके, नेशनल कांफ्रेंस, भाकपा, आरजेडी, केरल कांग्रेस (एम) जैसे कई दलों का समर्थन मिल चुका है। यशवंत के पास अभी करीब तीन लाख 89 हजार वैल्यू के वोट हैं। सिन्हा को विपक्ष के कई दलों ने बड़ा झटका दिया है। इनमें बीजेडी, वाईएसआर कांग्रेस, जनता दल सेक्युलर, अकाली दल, टीडीपी, बहुजन समाज पार्टी शामिल हैं। यहां तक की शिवसेना उद्धव गुट ने भी सिन्हा को समर्थन नहीं दिया है।

कलमप्रिया संस्थान ने किया वृक्षारोपण व काव्यगोष्ठी का आयोजन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गत सोमवार कलम प्रिया लेखिका संस्थान की ओर से अध्यक्षा श्रीमती शशि सक्सेना के पिताजी की पुण्यतिथि की स्मृति में श्री महाराजा विनायक पीजी महाविद्यालय, पालड़ी मीणा में वृक्षारोपण एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की श्रंखला में पहले वृक्षारोपण किया गया उसके पश्चात काव्य पाठ किया गया जिसमें श्रीमती स्नेहलता परनामी, कमलेश शर्मा, निर्मला गहलोत, मीनाक्षी माथुर, डॉ अंजु सक्सेना, पवनेश्वरी, सरस्वती उपाध्याय सभी ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुतियाँ दी। मंच का संचालन शिवानी द्रारा किया गया।

अध्यक्षा द्वारा महाविद्यालय प्राचार्य को एवं पुस्तकालय के लिए स्वरचित पुस्तकें भेंट की गयी और कलमप्रिया द्वारा पूर्व में आयोजित कविता प्रतियोगिता की विजेता पवनेश्वर वर्मा को पुरस्कृत किया गया। कॉलेज प्राचार्य श्रीमती नीलम शर्मा द्वारा साहित्य संस्थान की अध्यक्षा को शाल एवं स्मृति चिह्न एव उपप्राचार्य ने मंच संचालिका का स्मृति चिह्न द्वारा सम्मानित किया। सभी कवयित्रियों को भी महाविद्यालय ने प्रमाण पत्र सम्मानस्वरूप भेंट किए गए ।

कमलेश सोनी बनी जिलाध्यक्ष

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। अखिल भारतीय भ्रष्टाचार निर्मूलन संघर्ष समिति राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल ने जयपुर निवासी श्रीमती कमलेश सोनी को जयपुर जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया। श्रीमती कमलेश सोनी ने संगठन में जयपुर जिला अध्यक्ष के कर्तव्य का पालन करते हुए संगठन को मजबूत करने एवं जन सामान्य के साथ हो रहे अन्याय से लड़ने के लिए सहयोग करने की शपथ ली और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रदीप पाटिल खंडापुरकर एवं प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय संस्था म्युज़िकल सफ़र इंडिया द्वारा म्युजिकल मैलोडी सीजन-4 का सफल आयोजन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राष्ट्रीय संस्था म्युजिकल सफ़र इंडिया की तरफ से शहर में म्युजिकल मैलोडी सीजन- 4 का एक भव्य और सफल आयोजन किया गया जिसमें देशभर से 50 कलाकारों ने भाग लिया। आगरा, रोहतक, धौलपुर, जोधपुर, झुंझुनूं और जयपुर आदि शहरों से आये हुए कलाकारों ने अपनी अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिये। कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना से किया गया तत्पश्चात एक से बढ़कर एक गायन और नृत्य की प्रस्तुतियां देखने को मिली जिसमें वंदना का नृत्य, सर्वदमन की बांसुरी वादन और सपना पाठक के गायन को खूब सराहा गया। प्रोग्राम हेड विजेंद्र पाठक ने बताया कि कार्यक्रम से पहले कलाकारों के टीजर शूट किए गए थे जिसमें संस्था के अधिकृत यूट्यूब चैनल सबसे अधिक व्यूज़ पाने वाली नन्ही कलाकार नवनीत को सम्मानित किया और साथ ही कार्यक्रम में आए प्रत्येक कलाकार और अतिथियों का सम्मान किया गया। इसके अतरिक्त पिकलबॉल स्पोर्ट्स में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में देश की ओर से 50 प्लस केटेगरी में अब तक सबसे अधिक मेडल प्राप्त करने वाले अश्विनी वाधवा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ अभिनेत्री व नृत्य गुरु उषाश्री रही और विशिष्ट अतिथि पवन गोयल रहे। कार्यक्रम में हेमंत, देवेन्द्र, प्रीती, अतुल, सतीश, अनिल, गौरी, वसीम, रमिता, प्रियंका, भानू, कपिल, सीमा, विनीत, निरमा, अंकुर, अमित, राजेन्द्र, रनबीर, अजोय, सर्वदमन दुष्यंत, गुंजन, हरीश, जुगलकिशोर, मनोज, नवीन, नवनीत, पारुल, प्रणव, प्रेम, रजनीश, राशि, रिया, रूपा, संतोष, शैलेन्द्र, सुराज, सुरेखा, स्वीटी, वीनू आदि कलाकारों ने कार्यक्रम में शिरकत की। शानदार मंच संचालन सपना पाठक व वासुदेव मोटवानी ने किया।

सीएम और सचिन को चुनावों में जिम्मेदारी देकर सियासी संतुलन बनाने की कोशिश

मुख्यमंत्री गहलोत गुजरात में सीनियर ऑब्जर्वर, सचिन पायलट हिमाचल में आब्जर्वर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में चल रही सियासी चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को दो राज्यों के चुनावों में जिम्मेदारी दी गई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को गुजरात चुनावों में सीनियर ऑब्जर्वर बनाया है, सचिन पायलट को प्रतापसिंह बाजवा के साथ हिमाचल प्रदेश चुनावों के लिए ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी गई है। गहलोत के साथ छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव और मिलिंद देवड़ा को ऑब्जर्वर बनाया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश चुनावों में इन नेताओं को जिम्मेदारी देने के आदेश जारी कर दिए हैं।

गुजरात में 2017 के चुनावों की तरह इस बार भी पूरी टीम राजस्थान की हो गई है। रघु शर्मा गुजरात कांग्रेस के प्रभारी हैं। राजस्थान के मंत्री और विधायकों को 6 जुलाई को ही 26 लोकसभा क्षेत्रों के ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी गई है। गहलोत के गुजरात चुनावों का सीनियर ऑब्जर्वर बनने के बाद अब राजस्थान के कई और नेताओं को ग्राउंड स्तर पर चुनावों की जिम्मेदारी मिलना तय माना जा रहा है।

गहलोत मॉडल का रहेगा गुजरात चुनावों पर असर

गुजरात के पिछले विधानसभा चुनावों में अशोक गहलोत गुजरात कांग्रेस के प्रभारी महासचिव थे। कांग्रेस ने बीजेपी को इन चुनावों में कड़ी टक्कर दी थी, लेकिन जीतने में कामयाब नहीं हो पाई थी। उस वक्त गहलोत ने राजस्थान के नेताओं को गुजरात चुनावों में विधानसभा क्षेत्रवार जिम्मेदारी दी थी। गुजरात चुनावों पर इस बार भी गहलोत के सियासी मॉडल का असर रहेगा। गहलोत समर्थक नेताओं को अलग से फील्ड में जिम्मेदारियां दिया जाना तय है।

सियासी संतुलन बनाने की कोशिश

सचिन पायलट को हिमाचल प्रदेश कि चुनावों में ऑब्जर्वर बनाकर सियासी मैसेज दिया गया है। पायलट को चुनावों में पहले भी स्टार प्रचारक की जिम्मेदारी मिलती रही है। इस बार पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी देकर उनके समर्थकों को मैसेज दिया गया है। हाल ही सचिन पायलट ने कहा था कि कहा था कि गर्दन नीची करके पार्टी के लिए काम कर रहा हूं। अब सचिन पायलट को भूपेश बघेल के साथ हिमाचल की जिम्मेदारी दी है। गहलोत और पायलट को विधानसभा चुनावों में जिम्मेदारी देने को सियासी संतुलन बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **शालिनी श्रीवास्तव के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादक: हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**